अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 234 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 19 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

महिलाओं को मिली एक और आजादी

दे सकेंगी एनडीए की परीक्षा, सुप्रीम कोर्ट की सेना को फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में महिलाओं को परमानेंट सर्विस कमीशन में शामिल करने का फैसला देने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने एक और बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को अब एनडीए यानी नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा में भी बैठने की अनुमति दे दी है। यह आदेश इसी साल 5 सितंबर को होने वाली एनडीए की परीक्षा से लागू होगा। मामले की सुनवाई के दौरान सेना ने कहा कि एनडीए परीक्षा में महिलाओं को शामिल न करना पॉलिसी डिसिजन है। इस पर शीर्ष अदालत ने फटकार लगाते हुए कहा कि यदि यह पॉलिसी डिसिजन है तो यह भेदभाव से पूर्ण है। हालांकि 5 सितंबर को परीक्षा में बैठने का आदेश सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निणय्र के अधीन होगा। इससे पहले केस की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने मंगलवार को अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि महिलाओं को एनडीए परीक्षा में मौका न देना, उनके मूलभूत अधिकारों के हनन का मामला नहीं है। यही नहीं केंद्र सरकार ने कहा था कि

एनडीए के जरिए आने वाले पुरुष कर्मचारियों को उनके मुकाबले करियर में कोई स्पेशल बढ़त नहीं मिलती। महिलाओं के लिए सेना में एंट्री का एकमात्र रास्ता शॉर्ट सर्विस कमिशन ही रहा है। बता दें कि बीते दिनों ही शीर्ष अदालत ने सेना से महिलाओं को भी परमानेंट कमीशन में लिए जाने को कहा था। यही नहीं अदालत ने सेना के नियमों को गलत करार देते हुए कहा था कि ये बेतुके और मनमाने हैं।

दरअसल वकील कुश कालरा की ओर से महिलाओं को एनडीए और इंडियन नेवल अकादमी में शामिल किए जाने की मांग को लेकर अर्जी दाखिल की गई थी। उस याचिका पर सुनवाई करते हुए ही सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है। फिलहाल इन दोनों अकादमियों में महिलाओं की भर्ती नहीं की जाती।

भारत को साल 2027 तक मिल सकती है पहली महिला सीजेआई

कॉलेजियम ने की है 9 नामों की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को 2027 में पहली महिला मुख्य न्यायाधीश मिल सकती है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने मंगलवार को 22 महीने बाद नौ नामों की सिफारिश भेजी है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने सरकार पास ये 9 नाम भेजे हैं जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल है।

बता दें कि इन नामों में से कोई एक आने वाले समय में भारत की पहली महिला तीफ जस्टिस ऑफ इंडिया भी बन सकती है। सरकार को भेजे गए नामों में कर्नाटक उच्च न्यायालय (एचसी) से न्यायमूर्ति बीवी नागरतन का नाम भी शामिल है, जो अब पदोनन्त होने पर 2027 में देश की पहली महिला सीजेआई बन सकती है। न्यायमूर्ति नागरतन के अलावा, पांच सदस्यीय कॉलेजियम द्वारा चुनी गई अन्य दो महिला न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति हिमा कोहली, तेलंगाना

एचसी की मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी, गुजरात एचसी में न्यायाधीश शामिल है।कॉलजियम द्वारा दिए गए बाकी नामों में नामों में जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका (कर्नाटक एचसी के मुख्य न्यायाधीश), विक्रम नाथ (गुजरात एचसी के मुख्य न्यायाधीश), जितेंद्र कुमार माहेश्वरी (सिक्किम एचसी के मुख्य न्यायाधीश) , सीटी रविकुमार (केरल एचसी में न्यायाधीश) और एमएम सुंदरेश (केरल एचसी में न्यायाधीश) शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट में कॉलेजियम में सीजेआई एनवी रमना, और जस्टिस उदय यू ललित, एएम खानविलकर, धनंजय वाई चंद्रचूड़ और एल नागेश्वर राव शामिल थे।नवंबर 2019 में सीजेआई के रूप में न्यायमूर्ति रंजन गोगोई की सेवानिवृत्ति के बाद से, कॉलेजियम ने शीर्ष अदालत में नियुक्तियों के लिए केंद्र सरकार को एक भी सिफारिश नहीं भेजी थी। 12 अगस्त को न्यायमूर्ति नरीमन के बाहर हो जाने के बाद से 9 लोगों की जगह खाली थी। अब न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा 18 अगस्त को रिटायर होने वाले है, जिसके बाद 10 लोगों की जगह खाली हो जाएगी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल एक महिला जज है जिनका नाम जस्टिस इंदिरा बनर्जी है। जस्टिस बनर्जी सितंबर 2022 में रिटायर होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट में अब तक सिर्फ 8 महिला जजों की ही नियुक्ति हुई है। अगर सरकार इन सिफारिशों को स्वीकार करती है तो सुप्रीम कोर्ट में सभी मौजूदा खाली पद भर जाएंगे और न्यायधीशों की संख्या 33 हो जाएगी।

आज ओलंपिक खिलाड़ियों पर 42 करोड़ के पुरस्कार बरसाएगी यूपी सरकार, सीएम योगी करेंगे सम्मान

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को टोक्यो ओलंपिक के पदक विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को करीब 42 करोड़ की धनराशि के नगद पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। सम्मान समारोह अपराह्न तीन बजे से अटल बिहारी इकाना अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा, रजत पदक विजेता मीराबाई चानू समेत कई खिलाड़ी राजधानी पहुंच चुके हैं। अन्य खिलाड़ी गुरुवार की सुबह पहुंचेंगे। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री खेल और खिलाड़ियों के लिए कुछ घोषणाएं भी कर सकते हैं। इसमें राज्य में नौकरी बड़ी घोषणा होगी। एशियाई खेल, राष्ट्रमण्डल खेल में पदक विजेताओं को राजपत्रित अधिकारी

बनाने की घोषणा अरसे पहले हुई थी पर इस पर अमल नहीं हुआ। इस संबंध में भी घोषणा कर मुख्यमंत्री नई शुरुआत कर सकते हैं।

जैवलिन थ्रो में ओलंपिक इतिहास में भारत के लिए एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण जीतने वाले जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को दो करोड़ की सबसे ज्यादा धनराशि प्रदान की जाएगी। रजत पदक विजेता वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और पहलवान रवि दहिया को डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं कांस्य पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिन्धु, बाक्सर लवलीना, पहलवान बजरंग पुनिया को एक-एक करोड़ का पुरस्कार दिया जाएगा। कांस्य पदक जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों को एक-एक करोड़, मुख्य कोच को 25 लाख और सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों को 10 लाख का पुरस्कार दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में 1 सितंबर से खुलेंगे पहली से पांचवी कक्षाओं तक के स्कूल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को आगामी 23 अगस्त से छठी से आठवीं कक्षाओं तक के और एक सितंबर से पहली से पांच कक्षाओं तक के स्कूलों को विद्यार्थिय्रों के लिए खोलने के आदेश जारी किए। राज्य में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए नौवीं से 12 वीं कक्षाओं तक के स्कूलों को 16 अगस्त से खोले जाने के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आगामी 23 अगस्त से छठी से आठवीं कक्षाओं तक के और एक सितंबर से पहली से पांच कक्षाओं तक के स्कूलों को विद्यार्थिय्रों के लिए खोलने के आदेश जारी कर दिये गए हैं।

18 अगस्त को कांग्रेस मनाएगी नेताजी की पुण्यतिथि, टीएमसी ने कहा- बंगालियों की भावनाएं आहत ना करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीएमसी ने बुधवार को कांग्रेस की तरफ से जारी एक बयान पर आपत्ति जताई जिसमें 18 अगस्त को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि के रूप में मनाने की बात कही गई है। साथ ही इसने कांग्रेस से बंगालियों की भावनाएं "आहत नहीं करने के लिए कहा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस आज ही के दिन 1945 में लापता हो गए थे। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि वह ताईवान में विमान दुर्घटना में मारे गए थे जबकि कुछ का दावा है कि वह दुर्घटना में बच गए थे और जीवन का शेष समय उन्होंने अज्ञातवास में बिताया। कांग्रेस नेतृत्व ने नेताजी की एक तस्वीर ट्वीट की जिसमें 18 अगस्त 1945 को उनके निधन का दिन बताया गया। पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, "हम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। महान स्वतंत्रता सेनानी, महान देशभक्त और भारत माता के सच्चे सपूत। देश के प्रति उनके योगदान को याद रखा जाएगा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेतृत्व ने कहा कि कांग्रेस को बिना पुख्ता सबूत के इस तरह की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।टीएमसी के महासचिव और प्रवक्ता कुणाल घोष ने ट्वीट किया, "इस ट्वीट पर कड़ी आपत्ति जताता हूं। निधन की इस तारीख की पुष्टि नहीं हुई है। कांग्रेस और भाजपा ने नेताजी के अंतिम क्षणों के बारे में वास्तविक तथ्यों का पता लगाने का प्रयास नहीं किया। पहले निधन को साबित कीजिए। गोपनीय दस्तावेजों को प्रकाशित कीजिए। बाद में घोष ने संवाददाताओं से कहा कि इस तरह की टिप्पणी "न केवल बंगालियों की भावनाओं को आहत करती है।

हाईजैक करने जा रहा हूं विमान, कोलकाता एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के ऑफिस में फोन कॉल से सनसनी

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई जब किसी ने एयर इंडिया के ऑफिस में फोन करके दावा किया कि वह विमान हाईजैक करने जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने उस समय को ट्रेस कर लिया है। बताया जा रहा है कि यह फोन कॉल करीब शाम 7 बजे आया। फोन करने वाला बांग्ला में बोल रहा था और उसने अपना नाम प्रशांत बिश्वास बताया था। एयरपोर्ट अथॉरिटीज ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि फोन करने वाले ने और क्या-क्या कहा। एयर इंडिया की ओर से भी आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से बिधाननगर पुलिस को सूचना दी गई है। पुलिस कॉल करने वाले शख्स का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने इस नंबर को ट्रेस किया तो वह नॉर्थ 24 परगना के बोनगांव इलाके का निकला।

भागलपुर में बाढ़ से भारी तबाही, कहलगांव के बाद नवगछिया शहर में भी घुसा पानी, एनएच-80 पर परिचालन अब भी ठप

भागलपुर नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार भयावह हो रही है। गंगा और कोसी नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। भागलपुर शहरी क्षेत्र और कहलगांव के बाद बुधवार को नवगछिया में भी पानी घुस गया। नवगछिया में गंगा और कोसी का पानी चारों तरफ फैलने लगा है। कोसी नदी का पानी नवगछिया बाजार की खरनयी नदी में गिर रहा है। इससे नवगछिया बाजार में भी लोगों की परेशानी बाढ़ सकती है। कटिहार के मनिहारी रेलखंड पर बुधवार को पानी चढ़ गया है। इस रेलखंड पर अभी एक मात्र जानकी एक्सप्रेस चलती है। एडीआरएम ने बताया कि रेलवे स्थिति पर नजर रख रही है। मुंगेर व खगडि़या में भी बाढ़ के कारण लोगों की परेशानी बनी हुई है। सभी नदियां अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। भागलपुर जिले के 502 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लगभग आठ लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित है। 123 पंचायत और 15 प्रखंडों में बाढ़ का पानी फैला है। पानी फिलहाल कम नहीं हो रहा है। हर दिन नए इलाके में पानी घुस रहा है। भागलपुर रेलखंड पर बुधवार को पांचवें दिन भी ट्रेनों का परिचालन ठप रहा। शनिवार से ही ट्रेनें नहीं चल रही है। कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं तो कई ट्रेनें या तो डाइवर्ट कर दी गई है या शार्ट टर्मिनेट कर दी गई हैं। भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी जमालपुर से ही खुल रही है।

अयोध्या के साथ सोमनाथ पर भी फोकस, 20 अगस्त को पीएम मोदी देंगे कई तोहफे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोकस राम अयोध्या में जन्मभूमि के साथ-साथ सोमनाथ मंदिर पर भी है। पीएम मोदी 20 अगस्त को गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सोमनाथ समुद्र दर्शन पैदल पथ, सोमनाथ प्रदर्शनी केंद्र और नवीनकृत अहिल्याबाई होलकर मंदिर का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह श्री पार्वती मंदिर की आधारशिला भी रखेंगे। अहिल्याबाई होलकर पुराने सोमनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है और यह मुख्य मंदिर के विपरीत दिशा में स्थित है। इसके नवीनीकरण पर 3.5 करोड़ रुपए की लागत आई है। लगभग एक किलोमीटर लंबा समुद्र दर्शन पैदल पथ के निर्माण पर करीब 47 करोड़ रुपए लागत आई है। सोमनाथ प्रदर्शनी केंद्र सोमनाथ मंदिर के परिसर में स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र के निकट बना है। इस प्रदर्शनी केंद्र में पुराने सोमनाथ मंदिर के टूटे-फूटे हिस्सों को प्रदर्शनी के लिए रखा गया है। बता दें कि पीएम मोदी श्री सोमनाथ ट्रस्ट (एसकेटी)

के अध्यक्ष भी हैं, जो धार्मिक ट्रस्ट है और सोमनाथ मंदिर परिसर का प्रबंधन और रखरखाव करता है। सोमनाथ मंदिर की गिनती देश में हिंदुओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण पूजा स्थलों में होती है।

प्रधानमंत्री मोदी गिर-सोमनाथ जिले के प्रभास पाटन शहर में स्थित सोमनाथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष हैं। इस उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन मंदिर परिसर के राम मंदिर सभागार में 20 अगस्त को होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़ेंगे। वह भी न्यास के न्यासी हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस दौरान सभागार में मौजूद रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष और एसकेटी के एक ट्रस्टी ने दिसंबर, 2018 में समुद्र दर्शन पैदल पथ की आधारशिला रखी थी। यह मंदिर के बगल में सागर दर्शन गेस्ट हाउस से शुरू होता है और त्रिवेणी संगम पर समाप्त होता है। तीथयात्रा सुविधाओं को जोड़ने के साथ-साथ तट के कटाव को रोकने के उद्देश्य से इसका निर्माण किया गया है।

पुराने (जूना) सोमनाथ के मंदिर परिसर को सोमनाथ ट्रस्ट द्वारा 3.5 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्निर्मित किया गया था। इस मंदिर को अहिल्याबाई मंदिर के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि इसे इंदौर की रानी अहिल्याबाई ने बनवाया था। उन्होंने पुराने मंदिर को एक खंडहर में पाया था।

खबर संक्षेप

राजनीति शास्त्र की मौखिक परीक्षा 28 अगस्त को

जंघई। नागरिक पीजी कालेज जंघई के प्राचार्य डाक्टर प्रमोद कुमार तिवारी ने बताया है कि महाविद्यालय में बीए, बीएससी, एमए की कक्षाओं में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। उपरोक्त कक्षाओं में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र छात्राएं कार्यालय से प्रवेश फार्म लेकर उसको भरकर आधार कार्ड, फोटो, पिछली परीक्षा का अंकपत्र लगाकर प्रवेश करवा लें। वहीं एमए फाइनल राजनीति शास्त्र की मौखिक परीक्षा 28 अगस्त को 11 बजे से होगा यह जानकारी राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर डाक्टर छविनाथ उपाध्याय ने दिया है।

पार्थिव शिवलिंग महाभिषेक का आयोजन

प्रतापपुर। श्रावण मास में श्री हरिहरधाम कुंदौरा महादेव के प्रांगण में त्रिदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है।जिसमें 20 अगस्त से 22 अगस्त तक शिवपार्वती मंगल कथा का आयोजन समय 2- 5 के बीच होगा तथा 22 अगस्त को प्रातः 8 बजे से पार्थिव शिवलिंग अभिषेक होगा। कथावाचक जगतगुरू रामानुजाचार्य स्वामी हरिप्रप्पनाचार्य महाराज होगें। यह जानकारी धाम के अध्यक्ष जवाहर लाल गौड़ ने दी है।

जन आशीर्वाद यात्रा लेकर पहुंचीं प्रतापपुर अनुप्रिया पटेल

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल बुधवार को जन आशीर्वाद यात्रा लेकर प्रतापपुर हनुमान मंदिर एवं वारी तिराहे पर पहुंचीं जहाँ भाजपा अपना दल गठबंधन के नेताओं एवं कार्यकताओं ने गगनभेदी नारों से स्वागत किया।केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश एवं केंद्र की गठबंधन सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के विषय में बताते हुए लोगों से 2022 चुनाव में जुट जाने की अपील किया।प्रतापपुर कार्यक्रम में फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल, प्रदेश अध्यक्ष अपना दल जमुना प्रसाद, भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार अश्वनी दुबे, ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव, भाजपा नेता पंडित विजय शर्मा, रमेश पांडेय, श्याम बिहारी पांडेय, मुकुंद लाल मौर्य, बृजेश पांडेय, हरि भूषण सिंह, मनोज सिंह आचार्य, मुन्ना सिंह, महावीर मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।इसी प्रकार वारी में आयोजित जन आशीर्वाद स्वागत समारोह के संयोजक राजकुमार राजा मौर्या मंडल अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा प्रतापपुर के नेतृत्व में गाजे बाजे के साथ पुष्प वर्षा करते हुए अनुप्रिया पटेल का स्वागत करते हुए लंबा चौड़ा फूलों का हार पहनाया गया।कार्यक्रम में भाजपा नेता पंकज त्रिपाठी, बुलबुल त्रिपाठी पूर्व प्रमुख, भाजपा नेता राकेश धर दुबे, अमरेश पहलवान, पंकज सिंह, रिशु सिंह, कुशलेश दुबे एडवोकेट, डाक्टर इमाम, बब्बू शुक्ला, शुभम शुक्ला, मातेश्वर शुक्ला, मनीष केसरवानी, अंशुमान शुक्ला, रजत सिंह, प्रवीण सिंह, राधेश्याम सिंह, राजेश शुक्ला, गुंजन पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जन आशीर्वाद यात्रा को लेकर प्रतापपुर पहुंची अनुप्रिया पटेल

मेजा में भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी जन आशीर्वाद यात्रा का जायजा लेती

भाजपा सांसद जन आशीर्वाद यात्रा का जायजा लेने पहुँची

सिरसा/मेजा। प्रयागराज विधानसभा क्षेत्र मेजा में भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही है। यात्रा में किसी प्रकार का व्यवधान ना हो इसे कर बुधवार को प्रयागराज की लोकप्रिय सांसद रीता बहुगुणा जोशी जिला अध्यक्ष विभवनाथ भारती, मेजा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र , वरिष्ठ भाजपा नेता मुन्नन शुक्ला,मेजा मंडल महामंत्री अमरीश तिवारी के साथ मेजारोड बाजार के पटेल नगर चौराहे पहुंच आशीर्वाद यात्रा को सफल बनाने को लेकर गुफ्तगू किया। देखा जाए तो यह आशीर्वाद यात्रा भाजपा के मिशन 2022 के यूपी के प्लान के तौर पर देखा जा रहा है बाजार में पहुंचकर जनप्रतिनिधियों ने आशीर्वाद यात्रा को सफल बनाने को लेकर वार्ता किया।

निशुल्क खाद्यान्न की बोरियों में प्लास्टिक चावल होने की खबर गलत : विपरण निरीक्षक

अखंड भारत संदेस

करछना। तहसील करछना क्षेत्र के अंतर्गत पचदेवरा ग्राम सभा में बीते दिनों सरकारी राशन की दुकान पर कोटेदार द्वारा कार्ड धारकों को निशुल्क खाद्यान्न वितरण किया गया था। जिसमें कोटेदार जोखू केसरवानी के द्वारा बच्चों को वितरण किए जाने वाला प्रोटीन युक्त मिश्रित चावल को कार्ड धारकों को वितरित कर दिया गया। जिसके बाद कार्ड धारकों ने मिलने वाले निःशुल्क खाद्यान्न में प्लास्टिक की तरह दिखाने वाला मिश्रित चावल को देखे जाने पर हड़कंप मच गया। मामले को लेकर मंगलवार को पचदेवरा ग्राम प्रधान रसूल अहमद सहित कार्ड धारको ने उप जिलाधिकारी करछना विनोद कुमार पांडे से शिकायत की गई। जिसके बाद उन्होंने जांच कराने का आश्वासन दिया। बुधवार को अखबारों में खबर छपने के बाद विभिन्न कोटेदार व अधिकारियों में हड़कंप मच गया था । बुधवार को मीडिया से बात करते हुए विपरण निरीक्षक करछना राकेश सिंह ने तमाम प्रकार की फैल रही अफवाहों व प्लास्टिक के चावल होने का खंडन किया। उन्होंने बताया कि सरकारी राशन की दुकान पर भेजे जाने वाला चावल की कुछ बोरियों में मिश्रित चावल प्रोटीन युक्त होता है। जो बच्चों को वितरण किया जाता है। पचदेवरा गांव के कोटेदार द्वारा भूल से कार्ड धारकों को वितरण किए जाने वाला खाद्यान्न की जगह प्रोटीन युक्त वितरण कर दिया गया।

स्कूल के बच्चों को वितरण करने वाला पौष्टिक चावल गलती से कोटेदार के यहाँ चला गया था

शांतिभंग में पांच गिरफ्तार

शांति भंग में पांच लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़, प्रयागराज। शंकरगढ़ पुलिस ने शांतिभंग की आशंका में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। लिखापढ़ी के उपरांत सभी का चालान कर दिया गया है।

यह जानकारी देते हुए एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि थाने की पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान विवाद की सूचना पर पुलिस ने टीम ने मौके पर पहुंचकर पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एसओ ने बताया कि तालिब पुत्र सईद अहमद (निवासी सुरबल चंदेल), आरिफ पुत्र सईद अहमद (सुरबल चंदेल), नारेंद्र सिंह पुत्र कुंज बिहारी (कोहडि, सीताराम पुत्र सिपाहीलाल (कौंधी मलहटी, खीरी) और पंचू उर्फ बजरंग पुत्र रामनरेश (निवासी कुबरी, भड़िवार, शंकरगढ़) का धारा 151, 107, 116 के तहत चालान किया गया है।

3 सितंबर को होगा सोलर उपक्रम का वितरण

घूरपुर। कल्याणी फाउंडेशन के बैनर तले करछना क्षेत्र के भस्मा अरई गाँव मे ग्रामीणों को विद्युत बचत हेतु सोलर उपक्रम भेंट किये जाएंगे इस आशय की जानकारी देते हुए फाउंडेशन की अध्यक्ष डा अनु वर्मा नें यह जानकारी प्रदान करते हुए बोली कि आगामी तीन सितंबर को उक्त गाँव मे सोलर वितरण के साथ ग्रामीणों को निःशुल्क मेडिकल परीक्षण के साथ मास्क, सेनिटाइजर, साबुन इत्यादि के साथ फलदार पौधे वितरित किये जाएंगे कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए डा अनुवर्मा नें यह भी जानकारी प्रदान की गावों मे विद्युत कटौती बड़े पैमाने पर की जाती है जिससे किसानों को फसल सींचने मे काफी दिक्कत होती है इसी को ध्यान देते हुए संस्थान सोलर भेंट कर रहा है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान भस्मा अशोक पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप मे मौजूद रहेंगे।

करछना तहसील में शहीद नायक संतोष तिवारी के नाम पर बनेगा पार्क : कमलेश द्विवेदी

अखंड भारत संदेस

करछना। जमुनापार की प्रमुख एवम् प्राचीन तहसील करछना के बगरहा डीहा गांव के शहीद नायक संतोष तिवारी के नाम से तहसील परिसर ग्राउन्ड में एक पार्क का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जायेगा, जिसमें तहसील में आने वाले फरियादियो को बैठने का एक मुख्य स्थान भी होगा,

इस बावत ब्लाक प्रमुख करछना सरोज द्विवेदी के प्रतिनिधि पति कमलेश द्विवेदी ने एसडीएम करछना विनोद कुमार पाण्डेय से हुई बातचीत के दौरान पत्रकार वार्ता के दौरान प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने कहा, शहीद संतोष तिवारी सन-2003 में जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में लडाई के दौरान शहीद हो गये थे, तब से अबतक कयी सरकार आयी और गयी लेकिन नायक शहीद संतोष तिवारी के नाम से तहसील क्षेत्र में कोई पहचान की तवज्जों नहीं मिल पाया है, इस बात की जानकारी प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एसडीएम करछना को बताया कि नायक शहीद संतोष तिवारी के नाम से तहसील परिसर ग्राउन्ड में एक शहीद के नाम से पार्क बनाया जायेगा और उस पार्क में दूर दराज से आने वाले फरियादियो को बैठने आदि की सुविधा आशान होगी और जो शहीद के नाम से जाना जाता रहेगा ।

सरकारो की उपेक्षा की बदौलत शहीद के नाम पर कुछ नहीं किया गया

एक फीट से ऊंची ताजिया न हो, कोविड नियमों को तोड़ने पर होगी कार्रवाई : क्षेत्राधिकारी

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बुधवार के दिन घूरपुर थाना में सीओ करछना राजेश कुमार यादव के अध्यक्षता में मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे दर्जनों ताजियादार मौजुद रहे।

बैठक में सीओ राजेश कुमार यादव ने ताजियेदारों को शासन द्वारा लागू किए गए नियमों को बताते हुए कहा कि एक फीट से अधिक ऊंची ताजिया नहीं होनी चाहिए। और जुलूस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। करबला में मिट्टी दफन करने के लिए पांच से अधिक आदमी ना जाएं। और दो फीट की दूरी और मास्क सहित कोविड़ के नियमों का अवश्य पालन करें। एस ओ राजेश उपाध्याय ने ताजियेदार से समस्याओं को पूछते हुए कहा कि शासन के बनाए गए नियमों को यदि किसी ने तोड़ने की कोशिश की तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में प्रधान मोजिज अब्बास,सुल्तन अहमद, शमशेर अहमद, मंसूर अली, प्रधान विपिन कुमार भीटा, संजय, प्रधान भीम प्रधान,राजरूप, अशोक जायसवाल, अनीफ सहित दर्जनों गणमान्य और ताजियादार मौजूद रहे।

पीस कमेटी में सीओ करछना बातचीत करते हुए

अवैध गांजे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

लेडियारी। उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रदेश के लोगों की खुशहाली एवं अच्छी सेहत को लेकर मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों की खिलाफ सख्ती दिखाई है' जिसके कारण प्रदेश भर में तेजी से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले पकड़े जा रहे हैं ' प्रदेश सरकार का मानना है कि जब तक मादक पदार्थों की तस्करी समाप्त नहीं हो जाती तब तक प्रदेश खुशहाल नहीं हो सकता है ' उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रयागराज के निदेशानुसार खीरी पुलिस द्वारा जगह जगह सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा हैं ' चेकिंग अभियान के तहत सलैया खुर्द तिराहा बहद ग्राम दसौती से गुलाब चंद्र पुत्र शोभालाल हरिजन निवासी सिरहिर थाना खीरी को गिरफ्तार किया गया' जिसके पास से 1 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया ' एवं अभियुक्तों को थाना परिसर लाकर विधिक कार्यवाही की गई एवं न्यायालय भेज दिया गया ' गिरफ्तार करने वाली टीम में मुख्य रूप से उप निरीक्षक मजीद खान कांस्टेबल गौरव यादव सत्येंद्र कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कमला स्मारक इंटर कॉलेज मे पुष्प वर्षा कर विद्यार्थियों का किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। कोरोना की दूसरी लहर समाप्त होनें के बाद प्रदेश सरकार द्वारा विद्यालय खोले जाने के निर्देश के उपरांत क्षेत्र के विभिन्न इंटर कालेजो मे खुशी की लहर दौड़ पड़ी। इसी क्रम मे करमा क्षेत्र के बलापुर गांव स्थित श्रीमती कमला स्मारक इंटर कालेज मे संस्थान की प्रधानाचार्या अल्का विश्वकर्मा एवम प्रबंधक अनिल विश्वकर्मा के संयुक्त नेतृत्व मे उक्त संस्थान की अध्यापको के साथ पुष्प वर्षा एवम तिलक लगाकर छात्र /छात्राओ का स्वागत किया गया। इस दौरान प्रबंधक अनिल कुमार विश्वकर्मा बोले कि विगत डेढ़ वर्षों से कोरोना महामारी की वजह से शिक्षा क्षेत्र काफी प्रभावित हुआ है। वर्तमान मे कोरोना गाइड लाइन का पालन करते विद्यार्थियों को बैठाया जा रहा है विद्यालय की ग्यारहवीं कक्षा मे अध्ययनरत छात्रायें मुस्कान विश्वकर्मा, प्रिया भारती, रविता जैसल, पलक सिंह, सादिया बानों समेत सभी विद्यार्थियों के चेहरे पर विद्यालय खुलने की खुशी साफ झलक रही थी। छात्रों को आनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही थी किन्तु विद्यालय मे न आने का मलाल भी था। इस दौरान विद्यार्थियों नें खूब मन लगाकर पढ़ाई करने का संकल्प भी लिए। अखिलेश प्रताप विश्वकर्मा, पवन कुमार, अरविंद गुप्ता,सुशील कुमार,मुकेश पांडे,नितिन कुमार, अनिल कुमार,उमेश कुमार आदि शिक्षक मौजूद रहें।

कमला स्मारक इंटर कालेज में पुष्प वर्षा के दौरान छात्रों के कालेज के प्रबंधक

शिक्षकों के लिए छात्र बहुमूल्य पूंजी : प्रबंधक

कालेज के प्रबंधक अनिल विश्वकर्मा ने कहा कि किसी भी अध्यापक के लिए छात्र बहुमूल्य पूंजी होते है। प्रत्येक शिक्षक की लालसा होती है उनके पढ़ाये विद्यार्थी उच्च पदों पर आसीन होकर समाज एवम राष्ट्र की सेवा मे अपना योगदान दें आज कई महीने बाद विद्यालय प्रांगण मे छात्र /छात्राओं को देखकर मन प्रसन्न हो गया। कोविड गाइड लाइन पालन के साथ शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया हैं। लोगों की समझदारी एवम बचाव से देश कोरोना महामारी से बहुत जल्द निजात पायेगा।

जसरा में किसान से हुई ठगी

जसरा। प्रयागराज घूरपुर थाना क्षेत्र के जसरा बैंक से एक किसान अपने खाते से रूपया लेकर बैंक के बाहर आया। वहीं एक अजनबी ने उसका रूपया रखने के बहाने रूपया लेकर रफूचक्कर हो गया। भुक्तभोगी ने घूरपुर पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर आवश्यक कार्यवाही करने की मांग किया है।

कैलाश प्रसाद पुत्र गंगा प्रसाद निवासी ग्राम पंचायत रेरा के राजस्व गांव बरना बैक आफ बड़ौदा की शाखा जसरा से 34900 रुपए किसानी के लिए निकाल कर जैसे ही बैंक से बाहर आया। बाहर खड़ा अजनबी ब्यक्ति ने रुपए रखने के बहाने रुपए लेकर भुक्तभोगी को अखबार में कुछ लपेटे हुए कागज लिफाफे में दे दिया। लिफाफा किसान लेकर खाद की दूकान पर गया। वहां लिफाफा जैसे ही खोला उसमें कोरा.कागज देखकर परेशान हो गया। तत्काल वहां से वह घूरपुर पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर आवश्यक कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

झमाझम बारिश ने दिलाई उमस भरी गर्मी से राहत... खुशनुमा हुआ माहौल

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। बीते पिछले कुछ दिनों से दक्षिणांचल के संपूर्ण क्षेत्र में उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल हो गया था' परंतु आज यानी बुधवार कि सुबह से ही हो रही रुक-रुक कर बारिश ने संपूर्ण क्षेत्र के लोगों को राहत की सांस दिलाई ।जुलाई माह में संपूर्ण दक्षिणांचल के क्षेत्र में अच्छी बरसात हुई' जिसके कारण किसानों के चेहरे पर काफी प्रसंता दिखाई दिए और मानसून भी काफी ठंडा रहा' वहीं दूसरी ओर अगस्त के महीने में बारिश छुटपुट हुई जिसके कारण मौसम का मिजाज बदला और उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल हो गया ' लोगों में सिर्फ एक ही सहारा रह गया था कि बारिश हो जाए और मौसम का मिजाज ठंडा हो जाए और हुआ भी वैसा ही सुबह से ही हो रही बारिश ने मौसम का मिजाज एकदम ठंडा कर दिया । वहीं दूसरी ओर किसानों का कहना था कि आज हुई बारिश फसल के लिए बहुत ही सहयोगी होगी और यह धान की फसल के लिए खाद का काम करेगी।

18 सितंबर से छह अक्तूबर तक चलेगी परीक्षा

प्रयागराज। यूपी बोर्ड 2021 के परीक्षा परिणाम से असंतुष्ट अभ्यर्थियों की अंक सुधार परीक्षा 18 सितंबर से छह अक्तूबर तक चलेगी। हाईस्कूल की परीक्षा 12 कार्य दिवस और इंटरमीडिएट की परीक्षा 15 कार्य दिवस में संपन्न कराई जाएगी। परीक्षा कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संपन्न कराई जाएगी। परीक्षार्थियों को संख्या को देखते हुए यथासंभव राजकीय विद्यालयों को ही परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए तीन घंटे की बजाए दो घंटे की परीक्षा होगी, जिसमें प्रश्नों की संख्या कम होगी। अंक सुधार के लिए आयोजित उक्त परीक्षा केवल परीक्षा के लिखित अंशों हेतु आयोजित की जा रही है। आंतरिक मूल्यांकन/ प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक पूर्ववत रहेंगे।

भाजपा सरकार में दलितों पिछड़ों का उत्पीड़न : वासुदेव यादव

असली गुंडों माफियाओं को मिली खुले आम घूमने की छूट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भाजपा सरकार में दलितों अल्पसंख्यकों और किसानों तथा किसानों को ज्यादा परेशान किया जा रहा है। उक्त बातें बासु देव यादव विधान परिषद सदस्य उत्तर प्रदेश इलाहाबाद कौशांबी निर्वाचन क्षेत्र ने एक अनौप चारिक वार्ता के दौरान कही।

श्री यादव ने कहा कि इस सरकार में जितना उत्पीड़न और शोषण हो रहा और हुआ शायद किसी पार्टी की सरकार में नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि इस समय पूरे उत्तर परदेस में जितने जेलों में कैदी के रूप में बंद हैं उनमें से 18103 अनुसूचित जाति और 30547 अन्य पिछड़े वर्ग तथा 16975 अल्पसंख्यक वर्ग के कैदी हैं।

इस तरह कुल मिलाकर 65625 ही कमजोर वर्गों के लोग सरकार के उत्पीड़न के शिकार हुए हैं और अधिकतर फर्जी मुकदमे में बंद हैं जबकि गुंडे माफिया खुलेआम घूम रहे हैं ।सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल है । इस प्रकार कुल 78566 जेलों में कैदी के रूप में लोग बंद है।विधायक ने कहा इस पार्टी का सबका साथ सबका विकास किस तरह हो रहा है इसी से ही अंदाजा लगाया जा सकता है। विधायक ने कहा कि उक्त विचाराधीन कैदियों की संख्या मुख्यमंत्री जी से पूछे गए प्रश्नों में लिखित रूप से जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ये सरकार सिर्फ जिलों का नाम बदलने में ज्यादा विश्वास करती है विकास नहीं। अगर किसी का नाम जगह जिला का नाम बदलने से वहां की समस्या दूर हो या नए नाम के साथ विकास में भी बड़होत्री हो तो उचित भी लगे। उन्होंने कहा कि इतने कमजोर वर्ग के लोग सरकार के उत्पीड़न के शिकार हैं,फर्जी केसों में फंसा कर कमजोर वर्गों का शोषण उत्पीड़न कर रही है। जो अमानवीय है।

अवैध गांजे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रदेश के लोगों की खुशहाली एवं अच्छी सेहत को लेकर मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों की खिलाफ सख्ती दिखाई है' जिसके कारण प्रदेश भर में तेजी से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले पकड़े जा रहे हैं ' प्रदेश सरकार का मानना है कि जब तक मादक पदार्थों की तस्करी समाप्त नहीं हो जाती तब तक प्रदेश खुशहाल नहीं हो सकता है ' उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रयागराज के निदेशानुसार खीरी पुलिस द्वारा जगह जगह सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा हैं ' चेकिंग अभियान के तहत सलैया खुर्द तिराहा बहद ग्राम दसौती से गुलाब चंद्र पुत्र शोभालाल हरिजन निवासी सिरहिर थाना खीरी को गिरफ्तार किया गया' जिसके पास से 1 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया ' एवं अभियुक्तों को थाना परिसर लाकर विधिक कार्यवाही की गई एवं न्यायालय भेज दिया गया ' गिरफ्तार करने वाली टीम में मुख्य रूप से उप निरीक्षक मजीद खान कांस्टेबल गौरव यादव सत्येंद्र कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भीम सेना के पदाधिकारियों ने एसडीएम मेजा को सौंपा तीन सूत्रीय ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

मांडा मेजा। अध्यक्ष के नेतृत्व मे 3 सूत्रीय ज्ञापन दिया जिसमे दलित आदिवासी दलित गरीब मजदुर जो कि भुमिहीन है। उन्हे आवासी एम कृषि जमीन का पट्टटा आवटन किया जाए । मेजा तहसील मे लगभग सभी गाव मे सरकारी ग्राम सभा की जमीन खाली पडी है ऐसी खाली पडी जमीनो को गरीबो मे पट्टटा किया जाय अन्यथा भीम सेना आदोलन करेगि भीम सैनिको ने ज्ञापन से पहले एक छोटी सभा भी आयोजित की जिसमे कोरोना महामारी को देखते हुऐ। भीम सैनिको को सम्बोधित करते हुऐ। राजेश कुमार माण्डा ,विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब जमीनो का? राष्टीय करण हुआ होता तो सभी भारतवासी भुखे पेट नही सोता।भीम सेना की माग है कि सभी गरीबो मजदुरो को आवासी एम कृषि भुमि का पट्टटा करे सरकार जिससे गरीब मजदुर?? अपने घरो मे रह सके और अपने परिवार का जिवन यापन कर सके।ज्ञापन सौपने वालो मे एडवोकेट सुशील कुमार मौर्या ,कमल नारायण,राजा राम गोपाल,रोहित गौतम,अनुप कुमार, आदि लोग मौजुद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते भीम सेना के पदाधिकारी

खबर संक्षेप

कोरोनों से मृत केंद्रीय कर्मियों के आश्रितों को नौकरी के लिए करना होगा इंतजार

प्रयागराज। कोविड संक्रमण की वजह से 100 से अधिक कर्मचारियों का निधन हो गया। राज्य सरकार के कर्मचारियों के आश्रितों को तो नौकरी मिल गई है लेकिन केंद्रीय कर्मियों के आश्रितों के लिए नौकरी की राह आसान नहीं है। केंद्रीय विभागों में पांच प्रतिशत की पाबंदी है। ऐसे में मृतक आश्रित कोटे से नौकरी के लिए आवेदन करने वालों की पहले से लंबी सूची है। इसलिए कोविड से मरने वालों के आश्रितों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

साक्ष्य मिटाने के आरोप में इंस्पेक्टर, दरोगा नामजद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। 11 महीने पहले कीडगंज में लालापुर निवासी करन (22) की हत्या के मामले में तत्कालीन इंस्पेक्टर अनुपम शर्मा और बैरहना चौकी प्रभारी दिलीप कुमार सिंह पर केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि उन्होंने आरोपी पक्ष से सांठगांठ कर साक्ष्य मिटाने का काम किया। इसके अलावा तीन सगे भाइयों को भी नामजद किया गया है। मृतक के पिता ने तहरीर देने के बावजूद कार्रवाई न होने पर कोर्ट में गुहार लगाई थी। जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया।रिपोर्ट लालापुर के अमिलिया तरहार निवासी राजाराम की तहरीर पर दर्ज की गई है। उसका आरोप है कि तीन सितंबर 2020 को उसका बेटा करन 20 हजार रुपये लेकर दुकान का सामान लेने चौक जाने को निकला। शाम को उसने बैरहना निवासी परिचित मोतीलाल के घर रुकने की बात फोन से अपने भाई को बताई। चार सितंबर को उससे बात नहीं हो सकी और पांच सितंबर को मोतीलाल के बेटे मोहित ने सूचना दी कि करन ने फांसी लगाकर जान दे दी है।सूचना पर वह अपने परिजनों संग पहुंचा तो पता चला कि रात आठ बजे के करीब तत्कालीन इंस्पेक्टर और चौकी प्रभारी बैरहना ने बगैर पंचनामा कराए ही शव को मर्चरी भेजवा दिया। अगले दिन तहरीर देने के बावजूद रिपोर्ट नहीं दर्ज की जबकि बेटे के शरीर पर चोट के निशान थे। यही नहीं, नियमविरुद्ध तरीके से अगले दिन थाने में पंचायतनामा भरा। कार्रवाई नहीं होने पर सात सितंबर को उसने प्रमुख सचिव गृह समेत तमाम आलाधिकारियों को पंजीकृत डाक से पत्र भेजा लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

उधर, कीडगंज थाने जाने पर इंस्पेक्टर ने थाने से भगा दिया और चौकी प्रभारी ने धमकाते हुए वापस कर दिया। आरोप है कि राहुल, बच्चा व मोहित ने उनके बेटे की हत्या की और इंस्पेक्टर व चौकी प्रभारी ने हत्या का साक्ष्य मिटाने का काम किया। कोर्ट के आदेश पर कीडगंज थाने में पांचों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कमरे के अंदर फंदे में लटकता मिला प्रतियोगी छात्र का शव

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के खरकौनी मोहल्ले में मंगलवार देर रात एक प्रतियोगी छात्र का शव कमरे के अंदर फंदे पर लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्र जौनपुर को रहने वाला था और यहां किराए का कमरा लेकर मेडिकल की तैयारी कर रहा था। जौनपुर पवर थाना कुडरिया निवासी आकाश कुमार पटेल उम्र 21 पुत्र कैलाश नाथ पटेल खरकौनी में किराए का कमरा लेकर मेडिकल की तैयारी कर रहा था। उसके कमरे में उसका पार्टनर प्रतापगढ़ निवासी शुभम भी रहता था। शुभम अभी एक सप्ताह पहले अपने गांव चला गया था। मंगलवार दोपहर से ही आकाश अपने कमरे से बाहर नहीं निकला था। तो मकान मालिक को शक हुआ तो उन्होंने देर रात कमरे में देखा तो वह फंदे में लटक रहा था। सूचना पर पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर गई। कमरे में आकाश पंखे की चूल्हे में तौलिया से बने फंदे पर लटक रहा था। पुलिस ने शव को फंदे में उतारकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रयागराज में रहने वाले अफगानी छात्र परिजनों से संपर्क न होने पर है परेशान

अखंड भारत संदेश

यूट्यूब में देखते है तालिबान प्रवक्ताओं का वीडियो

अफगानी छात्र यूट्यूब पर तालिबानी प्रवक्ताओं को वीडियो देर रहे है। उनके प्रवक्ताओं द्वारा वहां की दी गई जानकारी से वह वहां की स्थिति के बारे में रूबरू हो रहे है और देशवासियों की सलामती के लिए दुआ कर रहे है। इसी के साथ वह अफगान की स्थिति जानने के लिए नेशनल व इंटरनेशनल मीडिया की रिपोर्ट पर भी लगातार नजर बनाए हुए है।

प्रयागराज। पांच दिन बीत गए। परिवारवालों से कोई संपर्क नहीं हो पाया। किसी की कोई खबर नहीं। वॉइस मैसेज का भी जवाब नहीं मिला। दूर तो हैं ही, मजबूर भी। सिर्फ दुआओं का सहारा है और हर वक्त खुदा से अपनों की सलामती की दुआ ही मांग रहे हैं। नैनी स्थित शुआट्स में पीएचडी करने वाला अफगानी छात्र जाकिर उल्ला जब यह बातें कह रहा था तो उसकी आंखें नम हो गईं। लाख कोशिशों के बाद भी अपनों की खोज-खबर न मिलने से वह बेहद निराश है। लेकिन उसे अपनी दुआओं पर भरोसा है और वह यह भी कहता है कि एक दिन फिर ऐसा आएगा, जब सबकुछ पहले जैसा ठीक हो जाएगा। अफगानिस्तान में अचानक बदले हालात के बाद इन हालातों से गुजरने वाला जाकिर अकेला नहीं। उसके जैसे अन्य अफगानी छात्र भी हैं जो अपनों की सलामती को लेकर बेहद फिक्रमंद हैं। संपर्क नहीं हो पाने के चलते उनकी चिंताएं और बढ़ गई हैं। जाकिर की तरह ही शुआट्स में रहकर शफी उल्ला एमटेक तो नवाजिश रिजाई एमएससी की पढ़ाई कर रहा है। जाकिर का कहना है कि उसकी ही तरह उन दोनों का भी अपने परिजनों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है।घरवालों को कई वाइस मैसेज भेज चुके हैं लेकिन किसी को कोई जबाव नहीं मिल सका है। हालात इतने खराब हैं कि लोग घरों से निकल नहीं रहे हैं। परिवारवालों से संपर्क न होने से वह तनाव में हैं। पढ़ाई-लिखाई तो दूर, परिजनों की चिंता के कारण न वह ठीक से खा पा रहे है और न सो पा रहे हैं। लेकिन कर भी क्या सकते हैं।

ऐसे में सिर्फ दुआओं का ही सहारा है। वह दुआओं में खुदा से न सिर्फ अपने परिवारवालों बल्कि मुल्क की सलामती की भी दुआएं मांग रहे हैं।

बेरोजगारी से तंग आकर युवक ने ट्रेन के आगे लगाई छलांग, मौत

अखंड भारत संदेश

खुल्दाबाद का रहने वाला था युवक राजन घटना चौफटका रेलवे क्रॉसिंग पर हुई

प्रयागराज। खुल्दाबाद में रहने वाले राजन(25) ने बेरोजगारी से तंग आकर ट्रेन से कटकर जान दे दी। घटना चौफटका रेलवे क्रॉसिंग पर हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया है कि नौकरी न लगने की वजह से वह परेशान रहता था। मृतक के पिता पन्नालाल एयरफोर्स में चतुर्थ श्रेणी कर्मचीर थे। करीब 10 साल पहले उनका निधन हो गया था जिसके बाद से राजन मृतक आश्रित कोर्ट में नौकरी पाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी उसे नौकरी नहीं मिल सकी। इसे लेकर वह बेहद परेशान रहता था। मंगलवार रात आठ बजे के करीब वह बिना बताए घर से निकल गया।इसकेबाद चौफटका रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचकर ट्रेन से कट गया। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद सूचना दी तो परिजन भी रोते-बिलखते आ गए। खुल्दाबाद इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि परिजनों ने बताया कि बेरोजगारी से तंग आकर उसने यह कदम उठाया। उसके परिवार में एक भाई के अलावा दो बहनें हैं।

तीन शातिर गिरफ्तार, 19 चोरी के मोबाइल बरामद

अखँड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने एक बार फिर शातिरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के 19 मोबाइल को बरामद करने में भारी सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए बुधवार को चालान कर दिए। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र थाने से संबंधित सण्डवा पुलिस चौकी प्रभारी नवीन कुमार सिंह को बुधवार तड़के सुबह जरिए मुखबिर से सूचना मिली कि तीन शातिर महुआरी ग्राम सभा गेट के समीप तालाब के पास संदिग्ध हालत में मौजूद हैं। सटीक सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने ट्रेनी एसआई राहुल तोमर, बलिराम, हेड कांस्टेबल उपेंद्र नाथ सिंह, कांस्टेबल अमित गुप्ता व पंचदेव सिंह यादव को साथ लेकर उक्त स्थान पर पहुंचे और घेराबंदी करते हुए तीनों शातिरों को गिरफ्तार कर थाने पर उठा लाए। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में मवैया गांव निवासी राहुल निषाद पुत्र राम मिलन निषाद, गौरव निषाद पुत्र राज बहादुर निषाद व विकास निषाद उर्फ गोलू पुत्र अमित कुमार निषाद शामिल हैं। इन तीनों के कब्जे से चोरी के 19 मोबाइल बरामद किया गया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ औद्योगिक क्षेत्र थाने में रिपोर्ट दर्ज कर चालान कर दिए।

चोरी के मोबाइल सहित शातिर चोर पुलिस की गिरफ्त में

नैनी में चोरों ने नकदी समेत लाखों रुपए के उपकरण उड़ाए

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के गणपति नगर, गंगोत्री नगर में एक लॉज में रहने वाले छात्रों के कमरे से बीती रात चोरों ने मौका पाते ही हजारों रुपए नकदी समेत लाखों रुपए के उपकरणों पर हाथ साफ कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हर बार की तरह इस बार भी जांच पड़ताल कर बैरंग वापस लौट आई। वहीं भुक्तभोगी छात्रों ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस को तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं किया। जानकारी के मुताबिक दिव्यांशु सिंह, रवि साहू, हरीश शुक्ला और विनय कुमार सिंह नैनी कोतवाली क्षेत्र के गणपति नगर, गंगोत्री नगर में एक हॉस्टल में बतौर कमरा किराए पर लेकर रहने के साथ ही शिक्षा ग्रहण करते हैं। बीती देर रात बाद चोर मौका पाते ही छात्रों के कमरों में दाखिल हो गए और चार मोबाइल, एक टैबलेट, एक लैपटॉप सहित तीन पर्स जिसमें लगभग दस हजार रुपए नकदी मौजूद थे। चोरी कर फरार हो गए। अगले दिन बुधवार सुबह होने पर जब छात्रों को घटित वारदात के बारे में पता चला तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर हर बार की तरह, एक बार फिर पुलिस मौके पर पहुंची और दिखावे के लिए जांच पड़ताल कर बैरंग वापस लौट आई। छात्रों ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए नैनी कोतवाली में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं किया। बता दें कि बीते लगभग दो महीने के अंतराल नैनी कोतवाली क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर चोरों ने लाखों रुपए के उपकरण सहित अन्य सामानों पर हाथ साफ कर फरार हो चुके हैं, लेकिन नैनी कोतवाली पुलिस हाथ पर हाथ रखे बैठी हुई है और किसी भी घटित वारदात का खुलासा नहीं कर पाई है।

नैनी में चोरी की वारदात पर नहीं लग रही है कोई लगाम, पुलिस हाथ पर हाथ रखे बैठी हुई है

तहरीर देने के बावजूद नैनी कोतवाली में नहीं दर्ज हुई रिपोर्ट

अनुप्रिया पटेल का हंड़िया में स्वागत करने के लिए उमड़ा जनसैलाब

अखंड भारत संदेश

हंड़िया में जन आशीर्वाछ यात्रा के दौरान लोगों को सम्बोधित करतीं अनुप्रिया पटेल

हंडिया। बुधवार को हंडिया में जन आशीर्वाद यात्रा के तहत केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री भारत सरकार अनुप्रिया पटेल पहुंची जहां पर उनका स्वागत करने के लिए हजारों कार्यकताओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा । इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश तिवारी ने अपने प्रिय नेता को बुके एवं माला देकर स्वागत किया जहां पर केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल उनके प्रति आभार जताया। वहीं पर भारी संख्या में जुटे कार्यकताओं में स्वागत करने के लिए होड़ मची रही। हर तरफ से भाजपा जिंदाबाद अपना दल जिंदाबाद अनुप्रिया पटेल जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे । अनुप्रिया पटेल जैसे ही हंडिया पहुंची जोरदार बरसात शुरू हो गई लेकिन अपने नेता को देखने के लिए कार्यकर्ता बरसात में भी डटे रहे। अनुप्रिया पटेल ने कार्यकताओं को वैक्सीनेशन करवाने के लिए हिदायत दी भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं उनकी नीतियों का बखान करते हुए कहा कि आगामी 2022 में फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार का परचम लहराएगा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अश्वनी दुबे जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वी के सिंह अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री गंगापार सैफुल अब्बासफूलपुर सांसद केसरी देवी पटेल वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश तिवारी वरिष्ठ भाजपा नेता विद्या कांत तिवारी सांवरे लाल समेत भाजपा एवं अपना दल एस के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वी के सिंह ने आये हुए सभी लोगों के प्रति आभार जताया।

केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का सहसों में कार्यकताओं ने किया जोरदार स्वागत

अखंड भारत संदेश

सहसों। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद प्रयागराज के प्रथम आगमन पर अपना दल एस एवं भाजपा कार्यकताओं ने अनुप्रिया पटेल का जोरदार स्वागत किया। जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान

बुधवार को केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने अपनी इस यात्रा के दौरान मऊआइमा, सोरांव, सिकंदरा, फूलपुर, हंडिया, सैदाबाद, हनुमानगंज, अंदावा होते हुए सहसों गोल चौराहा पर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अपना दल एस जनता के बीच मजबूत कड़ी बनाएगी और जन समर्थन के प्रयास से पार्टी की छवि को मजबूत करेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने सहसों पहुंचकर सर्वप्रथम गोल चौराहे पर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुई उन्होंने कहा कि अपना दल एस और भाजपा के संयुक्त प्रयास से आज प्रदेश में विकास की गति तेज हुई है। कार्यकर्ता अपनी उर्जा का प्रयोग अपने बूथ को मजबूत करने में लगाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस कोरोना से लड़ने के लिए बहुत बेहतरीन ढंग से देश के जनता के साथ काम किया सुरक्षित रखा और देश को एक बहुत बड़े महामारी से बचाया गया। इस वैश्विक महामारी की तीसरी लहर से लड़ने के लिए भी सरकार एकदम मजबूती से कटिबद्ध है पूरी तैयारी के साथ जनता के साथ खड़ी है। आगे कहा कि आगामी विधानसभा का चुनाव फिर एक बार भाजपा और अपना दल संयुक्त प्रयास से जीतेगा। इस अवसर पर विचार व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष गंगापार अश्विनी द्विवेदी, पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, संयोजक अनिरुद्ध सिंह पटेल, ब्लॉक प्रमुख फूलपुर विपेन्द सिंह पटेल, प्रमुख गीता सिंह, प्रमुख अरुणेंद्र यादव, पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र बहादुर सिंह, समाजसेवी शिव नारायण सिंह गप्पू, जिला मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी आदि शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहसों मंडल अध्यक्ष भाजपा अनिल सरोज ने किया तथा सहसों मंडल महामंत्री पवन कुमार शुक्ला ने संचालन करते हुए सब के प्रति आभार प्रकट किए।

परिणाम से असंतुष्ट विद्यार्थियों के लिए 18 सितंबर से होगी परीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने परीक्षा परिणाम 2021 से असंतुष्ट विद्यार्थियों के लिए परीक्षा में दोबारा शामिल होने का मौका दिया है। परिषद ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं से एक या एक से अधिक विषयों में परीक्षा के लिए आवेदन का अवसर दिया है। आवेदन पत्र परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27 अगस्त है, जबकि प्रधानाचार्यों के लिए परिषद की वेबसाइट पर आवेदन पत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि 29 अगस्त निर्धारित की गई है। परीक्षा 18 सितंबर से शुरू होकर छह 6 अक्तूबर तक चलेगी ' माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ला के मुताबिक घोषित परीक्षाफल 2021 में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के इच्छुक परीक्षार्थी और जिनके अंक पत्र में जिनका परिणाम रोका गया है, सामान्य, बिना अंक प्रोन्नत, अनुपस्थित श्रेणी व कम अंक वाले विद्यार्थी भी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। वह एक या एक से अधिक विषयों में परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। परीक्षार्थी आवेदन पत्र भरकर प्रधानाचार्य को 27 अगस्त की सायं पांच बजे तक उपलब्ध करा दें।प्रधानाचार्य हर दिन आवेदन पत्रों के विवरणों को परिषद की वेबसाइट पर विद्यालय के लॉगइन के माध्यम से प्रतिदिन अपडेट करेंगे। प्रधानाचार्यों के लिए आवेदन पत्र के विवरण को अपलोड करने की अंतिम तिथि 29 अगस्त रात्रि 12 बजे तक है। यदि किसी परीक्षार्थी का आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं जमा होता है तो इसकी जिम्मेदारी प्रधानाचार्य की होगी। इस परीक्षा के लिए छात्रों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस परीक्षा में प्राप्त अंक को ही अंतिम माना जाएगा। इसके आधार पर ही परीक्षार्थियों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। परीक्षार्थी के पूर्व में 31 जुलाई को घोषित परीक्षाफल में प्राप्त अंक मान्य नहीं होंगे।

विवाहित पुत्र की तरह पुत्री भी परिवार की सदस्य अनुकंपा नियुक्त देने का हाईकोर्ट ने दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

बेटियों से दुष्कर्म की घटनाएं चिंताजनक, भारत बेटियों को पूजने वाला देश, सरकार उठाए कड़े कदम : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग बच्चियों के साथ बढ़ती दुष्कर्म की घटनाओं पर चिंता जाहिर की है और कहा है कि ऐसे जघन्य अपराध पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए। कोर्ट ने 13 साल की पांचवीं कक्षा की छात्रा से दुराचार के आरोपी को जमानत पर रिहा करने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे जघन्य कृत्यों के खिलाफ कड़े कदम नहीं उठाए गए तो न्याय तंत्र से लोगों का विश्वास उठ जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने जसमान सिंह उर्फ पप्पू यादव की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए दिया है।कोर्ट ने कहा है कि याची ने जमानत अर्जी में तथ्य छिपाए। कहा गया कि कोई आपराधिक इतिहास नहीं है, जबकि सत्र अदालत के आदेश में ही छह आपराधिक केसों का उल्लेख है। इसी तरह से कहा कि जमीन विवाद की वजह से फंसाया, किंतु कोई ब्योरा नहीं दिया गया। कोर्ट ने कहा कि छोटी बच्ची, जिसे सेक्स का मतलब नहीं मालूम, भारत में ऐसी बेटियों की पूजा होती है, उनके खिलाफ जघन्य दुराचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। अधिकांश परिवार इज्जत बचाने के लिए चुप रह जाते हैं, रिपोर्ट नहीं लिखाते।आरोपी याची के खिलाफ ललितपुर के जखौटा थाने में पीड़िता की चाची ने एफआईआर दर्ज कराई। परिवार खेत में था। बच्ची घर में अकेली थी। जब परिवार घर आया तो एक दीवार फांद कर भाग गया। तीन मौके पर पकड़ लिए गए। लड़की जब होश में आई तो उसने घटना का ब्योरा दिया। शाम की घटना की दूसरे दिन एफआईआर दर्ज कराई गई। मेडिकल जांच रिपोर्ट में दुराचार की पुष्टि हुई। पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान में भी आरोप दोहराये। याची 16 फरवरी 19 से जेल में बंद है। याची की मां ने अर्जी दी कि उसकी बेटी को आश्रित कोटे में नियुक्ति दी जाए, जिसे इस आधार पर निरस्त कर दिया गया कि याची शादीशुदा बेटी होने के कारण नियुक्ति पाने की हकदार नहीं हैं। याची अधिवक्ता का कहना था कि हाईकोर्ट ने विमला श्रीवास्तव केस में शादीशुदा बेटी को भी आश्रित की बेटी माना है, जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने विशेष अनुमति याचिका भी खारिज कर दी है। ऐसे में इस आधार पर अर्जी खारिज नहीं की जा सकती।

21 अगस्त की रात 12 बजे से फ्री में सफर कर सकेंगी महिलाएं

प्रयागराज। रक्षा बंधन के अवसर पर महिलाओं के फ्री सफर का आदेश शासन से यूपी रोडवेज प्रयागराज के क्षेत्रीय प्रबंधक को मिल गया है। बुधवार की शाम आए आदेश में कहा गया है कि रक्षा बंधन के अवसर पर महिला यात्री 21 अगस्त की रात 12 बजे से 22 अगस्त की रात 12 बजे रोडवेज की बस में फ्री में सफर कर सकेंगी। दरअसल पिछले दिनों ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आदेश दिया गया था कि महिलाएं इस बार भी रक्षा बंधन के अवसर पर फ्री में यूपी रोडवेज की बस में सफर कर सकेंगी। इस बीच बुधवार को इस संबंध में शासन से आदेश भी आ गया। रक्षा बंधन के अवसर पर महिला यात्री रोडवेज की सभी एसी एवं सामान्य श्रेणी की बस में सफर कर सकेंगी। पिछले वर्ष रक्षा बंधन पर प्रयागराज रीजन में 34 हजार महिला यात्रियों ने फ्री में सफर किया था। इस वर्ष रोडवेज अफसरों को उम्मीद है कि यह आंकड़ा 40 हजार की संख्या को पार कर सकता है।

प्रयागराज जंक्शन से पकड़े गए प्रेमी युगल, कानपुर पुलिस को सौंपा

अखंड भारत संदेश

हाईस्कूल की मार्कशीट और सर्टिफिकेट भी लाए थे दोनों

दिलशाद और खुशी अपने साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड के साथ ही हाईस्कूल की मार्कशीट और सर्टिफिकेट भी लाए थे। खुशी ने पुलिस से कहा कि वह बालिग है, और दिलशाद से अपनी मर्जी से शादी करना चाहती है। सुबूत के लिए वह हाईस्कूल की मार्कशीट और सर्टिफिकेट लाई थी।

प्रयागराज। जंक्शन पर बुधवार की सुबह एक युवक और युवती को लोगों ने संदिग्ध अवस्था में बैठे देखा तो भीड़ ने उन्हें घेर लिया। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। थाने में दोनों ने बताया कि वे शादी करना चाहते हैं। लड़के का मजहब दूसरा था। इस कारण लव जेहाद का हल्ला मच गया। दिन भर पंचायत चली।

शाम को लड़की के घर वाले कानपुर पुलिस के साथ पहुंच गए। दोनों को कानपुर पुलिस को सौंप दिया गया। यहां कोई लिखा पढ़ी नहीं हुई। कानपुर के जाजमऊ का रहने वाला दिलशाद अहमद अपने पड़ोस में रहने वाली खुशी (परिवर्तित नाम) के साथ मंगलवार की रात कानपुर से फरार हो गया। जंक्शन पर बुधवार की सुबह एक युवक और युवती को लोगों ने संदिग्ध अवस्था में बैठे देखा तो भीड़ ने उन्हें घेर लिया। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। थाने में दोनों ने बताया कि वे शादी करना चाहते हैं। लड़के का मजहब दूसरा था। इस कारण लव जेहाद का हल्ला मच गया। दिन भर पंचायत चली। शाम को लड़की के घर वाले कानपुर पुलिस के साथ पहुंच गए। दोनों को कानपुर पुलिस को सौंप दिया गया। यहां कोई लिखा पढ़ी नहीं हुई। कानपुर के जाजमऊ का रहने वाला दिलशाद अहमद अपने पड़ोस में रहने वाली खुशी (परिवर्तित नाम) के साथ मंगलवार की रात कानपुर से फरार हो गया। दोनों भागकर प्रयागराज जंक्शन पहुंच गए। बुधवार की सुबह दोनों प्लेटफार्म नंबर छह पर बैठे थे। दोनों बेहद डरे हुए थे। उन्हें संदिग्ध हालत में देखकर आस पास कुछ लोग उनसे पूछताछ करने लगे। लड़के का नाम दिलशाद था। इस कारण वहां लव जेहाद का हल्ला मचा दिया गया। देखते ही देखते वहां भीड़ लग गई। दोनों को पकड़कर सिविल लाइंस की तरफ लाया गया। पुलिस उन्हें थाने ले गई। दिलशाद और खुशी का कहना था कि वे बालिग हैं। शादी करना चाहते हैं।घर वाले खिलाफ हैं, इसलिए वे हाईकोर्ट के किसी वकील से मिलना चाहते थे। सिविल लाइंस पुलिस ने तुरंत कानपुर पुलिस को सूचना दी। खुशी के घर वालों के साथ कानपुर पुलिस की टीम शाम को सिविल लाइंस पहुंची। प्रभारी इंस्पेक्टर सिविल लाइंस ने बताया कि लड़की के पिता यहां पर कोई कार्रवाई नहीं करना चाहते थे, इस कारण दोनों को कानपुर पुलिस को सौंप दिया गया।

स्टेशन पर नोकझोंक धक्का मुक्की से नाराज हुए जीएम

ज्ञापन देने पहुंचे थे बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थक, रेल प्रबंधक ने निस्तारण को दिया आश्वासन

प्रतापगढ़। बुधवार को प्रतापगढ़ रेलवे जंक्शन आये उत्तर रेलवे नई दिल्ली के रेल महाप्रबंधक आशुतोष गंगल असहज हुये, शोर शराबे पर उन्होंने आपत्ति की। ज्ञापन देने के समय भीड़ की धक्का मुक्की और नोकझोंक के रवैये से नाराज हो गये। हालांकि उन्होंने बाद में शांत होकर समस्या सुनी। उसके निस्तारण का भरोसा दिया। उसके बाद कोच में जाकर बैठ गये। फिर किसी संगठन से नहीं मिले। उनकी नाराजगी अधिकारियों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। दरअसल, जीएम आशुतोष गंगल की स्पेशल ट्रेन लखनऊ से प्रतापगढ़ आई थी। यहां से सुल्तानपुर जाना था। सूत्रों के अनुसार इसका इंजन घुमाकर सुल्तानपुर करना था। इस कार्य में करीब 20 मिनट का समय लगता। यह सब हो रहा था। तभी बीजेपी कार्यकर्ता और उनके समर्थक जीएम से मिलने उन्हें ज्ञापन देने पहुंचे गये। ट्रेन में बैठे जीएम को जानकारी हुई तो वे निकलकर प्लेटफार्म पर आ गये। नेता उन्हें स्टेशन की समस्या गिनना शुरू किये। बताया जाता है कि नेताओं के चिल्लाकर बोलने पर जीएम ने आपत्ति की। बोले कि उनका कान ठीक है। सुनाई दे रहा यह बात लोगों को खराब लगी। भीड़ जीएम

के करीब पहुँचना चाहती थी। इसको लेकर लोगों की जीएम और अधिकारियों से धक्का मुक्की होने लगी। कोरोना के मद्देनजर जीएम और उनकी टीम ने एहतियातन पीछे हटना चाहा। लेकिन भीड़ चढ़ी जा रही थी। इशारा मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी ने आगे बढ़कर जीएम को सुरक्षा घेरे में ले लिया। इसको लेकर उनकी नेताओं से नोकझोंक भी हुई। यह सब देख जीएम नाराज हो गये। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें ज्ञापन दिया। जिसमें स्टेशन पर आरओ, दिव्यांगजनों, बुजुर्गों के लिये रास्ता, स्वचालित सीढ़ी, एससी वेटिंग हाल, मुंबई, रामेश्वरम अहमदाबाद के लिये ट्रेन और प्रयागराज, बनारस के लिये ट्रेन पैसेंजर चलाने, सहोदरपुर कालोनी मार्ग को दुरुस्त कराने की मांग की गई। जीएम ने निस्तारण का वादा किया। इस मौके पर गिरधारी सिंह, पंकज सिंह, अभिषेक, विनोद, संजय और गोकुलनाथ श्रीवास्तव मौजूद रहे। डिप्टी एसएस एसपी पांडेय ने बताया कि जीएम स्पेशल 11 बजकर 12 मिनट पर आई। 11 बजकर 46 मिनट पर चली गई। प्रतापगढ़ के ड्राइवर मनीष और गार्ड डीपी तिवारी स्पेशल लेकर गये।

मजदूर संगठन ने दिया मांग पत्र

प्रतापगढ़। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन और उत्तरीय रेलवे कर्मचारी यूनियन ने ज्ञापन दिया। खेल मैदान, बारात घर, स्वचालित सीढ़ी बनाये जाने,अस्पताल में महिला डॉक्टर की तैनाती और राष्ट्रीय अवकाश भत्ता की मांग की गई। इस मौके पर धर्मेंद्र दुबे, मोहम्मद अफजल, केडी तिवारी, राजेश, जेके पांडेय, एसए अंसारी और मोहम्मद शरीफ मौजूद थे।

उद्योग व्यापार मण्डल ने सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर आये हुए रेल महाप्रबंधक अभिषेकं को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल प्रतापगढ़ द्वारा प्रतापगढ़ के निवासियों से संबंधित कुछ समस्याओं के ऊपर ध्यान आकृष्ट करने के लिए अनुरोध किया गया है जिसमें एक सितंबर से फाफामऊ प्रयागराज पर बना गंगा पुल का मरम्मत करने के लिए एक माह तक बंद रहेगा जिस कारण प्रतापगढ़ वासियों को 60 किलोमीटर की यात्रा घूम कर 4 घंटे में तय करनी पड़ेगी, ट्रेन का संचालन अभिलंब शुरू करें, प्रतापगढ़ से होकर एक ट्रेन जो कि सूरत व अहमदाबाद के लिए उपलब्ध कराने समेत सात सूत्रीय मांग पर सौंपा।

सुर्खी साइडिंग को लेकर ग्रामीणों ने नारेबाजी की

प्रतापगढ़। सुर्खी साइडिंग हटाने की मांग को लेकर भंगवा, खजुरणी, किना का पुरवा और जोगापुर के ग्रामीणों ने स्टेशन पर प्रदर्शन किया। रेल प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्हें जीएम से न मिल पाने का मलाल था। ऐसी दशा में उन्हें जान मोहम्मद के नेतृत्व में समस्या का ज्ञापन डीआरएम को देना पड़ा। हालांकि बाद में ज्ञापन जीएम तक पहुचाने की कोशिश की गई। ट्रेन चल पड़ी। ज्ञापन उनके सिक्योरिटी ने ले लिया।

पिरथीगंज जायेगी साइडिंग

प्रतापगढ़। सुर्खी साइडिंग मालगोदाम से हटकर पिरथी गंज जायेगी। जीएम के जाने के बाद चर्चा के दौरान इंजीनियरिंग के अधिकारियों से यह जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार प्लेटफार्म चार और पांच बढ़ेगा। डॉउन दिशा कि रेलवे लाइन सुर्खी साइडिंग के स्थान पर बनने का प्रस्ताव हो चुका है। रेलवे ने इसको अपने नवीन नक्शे में शामिल किया है। नक्शे के अनुसार आने वाले दिनों में यहां की साइडिंग हटकर पिरथीगंज स्टेशन यार्ड में जायेगी।

नई शिक्षा नीति में 25 प्रतिशत का होगा आंतरिक मूल्यांकन

प्रतापगढ़। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत अब सभी विषयों में 25 प्रतिशत अंक सतत आंतरिक मूल्यांकन से महाविद्यालयों द्वारा तथा 75 प्रतिशत अंक विश्वविद्यालयीय परीक्षा द्वारा दिए जाएंगे। आंतरिक सतत मूल्यांकन उसी शिक्षक के द्वारा किया जाएगा जो उस सत्र में उस प्रश्न पत्र का अध्यापन कर रहा है। आंतरिक मूल्यांकन के 25 प्रतिशत अंक चार बार आंतरिक टेस्ट के द्वारा जिनमें प्रत्येक टेस्ट के 4 अंक होंगे। यह टेस्ट दो बार ऑब्जेक्टिव तथा दो बार डिस्क्रिप्टिव होंगे। पांच अंक अनुशासन, अटेंडेंस, आचरण तथा अन्य गतिविधियों के होंगे। शेष चार अंक एसेसमेंट एवं असाइनमेंट के होंगे।

इस व्यवस्था से महाविद्यालयों के द्वारा छात्रों का समय-समय पर मूल्यांकन होता रहेगा और इसका प्रभाव विद्यार्थी की मेरिट पर भी पड़ेगा जिससे विद्यार्थिन्यों के कुल प्राप्तांक प्रतिशत में भी वृद्धि होगी। यह व्यवस्था प्रत्येक सेमेस्टर के सभी विषय में होगी। सभी विषयों की लिखित परीक्षाएं होंगी जबकि अनिवार्य सह-पाठ्यक्रम विषय की

महाविद्यालय के द्वारा समय-समय पर होता रहेगा मूल्यांकन

परीक्षा बहुविकल्पीय आधार पर होगी। सह-पाठ्यक्रम विषय की परीक्षा मात्र क्वालीफाइंग प्रकार की होगी। इसके अतिरिक्त तृतीय वर्ष में लघु शोध परियोजना भी क्वालीफाइंग प्रकार की होगी। नई शिक्षा नीति की व्यवस्थाओं के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी को 3 वर्ष हेतु प्रत्येक वर्ष में दो सह-पाठ्यक्रम विषय अथवा प्रति सेमेस्टर एक विषय लेना होगा। प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम 2 वर्ष हेतु प्रत्येक वर्ग में 2 रोजगार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अथवा प्रति सेमेस्टर 1 पाठ्यक्रम भी लेना होगा। इस संबंध में एमडी पीजी कॉलेज के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे का कहना है कि नई शिक्षा नीति में 25 प्रतिशत अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे। जो महाविद्यालय द्वारा समय-समय पर विद्यार्थिन्यों के टेस्ट तथा अनुशासन, उपस्थिति आदि पर दिए जाएंगे।

रानीगंज अजगरा में निकली तिरंगा यात्रा

जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा हुआ आयोजन

प्रतापगढ़। जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट के युवा-मंच के संयोजक नीरज अग्रहरि के नेतृत्व में स्थानीय रानीगंज अजगरा में तिरंगा-यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के कोने-कोने से आए युवाओं ने पूरे जोश व उत्साह के साथ भाग लिया। यात्रा के आरंभ होने से पूर्व ट्रस्ट की संस्थापक व अध्यक्ष डॉ. शिवानी मातनहेलिया ने राष्ट्र-ध्वज फहराया तथा उपस्थित जनसमुदाय ने झंडे को सलामी देकर राष्ट्र-गान गाया। रानीगंज अजगरा बाजार से लीलापुर व साहबगंज होते हुए तिरंगा-यात्रा का समापन प्रारंभिक स्थान पर हुआ। लगभग दस किलोमीटर की दूरी युवाओं ने नाचते-गाते, जोशीले नारे लगाते, पैदल तथा वाहनों से तय की। यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा लिये उत्साह से भरे नवयुवकों ने स्थानीय जनता में भी जोश भर दिया। समाज के सभी वर्गों तथा समुदायों के प्रतिनिधित्व, सहयोग, व सकारात्मक उपस्थिति के कारण जगदीश मातनहेलिया मेमोरियल ट्रस्ट के अन्य कार्यक्रमों की तरह इस तिरंगा-यात्रा को भी सफलता प्राप्त हुई।

ज़हरीला जन्तु काटने से युवती की मौत, दो की हालत गंभीर

पट्टी, प्रतापगढ़। घर के अंदर बेड पर बच्चों के साथ सो रही युवती को जहरील जंतु ने काट लिया। परिजन अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई। वहीं दोनों बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के सोनपुरा गांव निवासी शोभनाथ विश्वकर्मा की बहन साधना (21) अपनी दो भतीजी आकृति (5) व आस्था (8) को मंगलवार की रात घर के बरामदे में एक ही बेड़ पर तीनों सो रही थी। बुधवार की भोर में तीनों को किसी विषैले सांप ने काट लिया। सुबह आकृति बेटी की हालत गम्भीर होने पर स्वजनों ने इलाज के लिए ढकवा बाजार में एक निजी अस्पताल ले गये तो चिकित्सक ने बताया कि विषधर ने डस लिया है। आनन फानन स्वजनों ने जौनपुर जनपद के सीएचसी बदलापुर ले गये तो चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। स्वजन झांड़ फूंक कराने जौनपुर जनपद के मिरशादपुर गांव ले गये। इधर आस्था व साधना की हालत बिगड़ने लगी पड़ोसियों की मदद से दोनों को इलाज के लिए जौनपुर में डा.. बीएस उपाध्याय के यहां ले गये।

सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ताः रीता बहुगुणा

कुंडा में आयोजित हुआ भाजपा का बूथ सत्यापन सम्मेलन

कुण्डा, प्रतापगढ़। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचाएं। प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार व केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार ने विकास का कीर्तिमान कायम किया है। इन विकास कार्यों को कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचाएं। उक्त बातें उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रयागराज की सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कुण्डा नगर के सुख शान्ति पैलेस में बूथ सत्यापन सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा कार्यकर्ताओं से कही। विशिष्ट अतिथि कौशाम्बी सांसद सचिव विनोद सोनकर ने कहा कि अब कुंडा व बाबागंज का माहौल बदल गया है। 2014 व 2019 में अपना सांसद चुनने के बाद यहां के लोग विधायक भी बदलना चाहते हैं। जिस तरह से यहां की जनता समर्थन कर रही है। उससे स्पष्ट है। 2022 में उत्तर प्रदेश में पुनः योगी आदित्यनाथ के

नेतृत्व में भाजपा सरकार बना रही है। विशिष्ट अतिथि शिव प्रकाश मिश्र सेनानी ने कहा कि कभी कुंडा बाबागंज की सड़कों की दशा बहुत ही दयनीय हुआ करती थी परंतु आज कुंडा एवं बाबागंज में अच्छी सड़कें बनाई जा रही है। कुंडा एवं बाबागंज में विकास कार्य जोरों पर चल रहा है। जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र ने कहा कि आप सभी अपने बूथ मजबूत करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्र राजन ने करते हुए आये हुए लोगो के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन जिला महामंत्री सतीश चौरसिया ने किया। कार्यक्रम में भाजयुमो के प्रदेश मीडिया प्रभारी धनंजय शुक्ला, सांसद कौशांबी के मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमलेश सोनकर, सरोज त्रिपाठी, केशव पासी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओवफ्लो नहर कटने से हो सकता है भारी नुकसान

विभाग बना हुआ है बेपरवाहविभाग बना हुआ है बेपरवाह

पट्टी, प्रतापगढ़। शारदा सहायक खण्ड 36 ओवरफ्लो होकर बह रही है। विभाग की लापरवाही से किसानों की फसलों को बड़ा नुकसान हो सकता है लेकिन विभाग इस संबंध में बेपरवाह दिखाई दे रहा है शिकायत के बाद भी विभाग इस संबंध में कोई कार्यवाही करने से कतरा रहा है।

पट्टी तहसील से शारदा सहायक खंड-36 बहती है। रानीपुर पहलमापुर जैतापुर पट्टी बारडीह होते हुए यह जौनपुर जनपद में मिल जाती है। पहलमापुर से पट्टी बीबीपुर बारडीह के पास नहर ओवरफ्लो होकर बह रही है जिससे इस बात की संभावना बढ़ गई है कि कभी भी नहर कट सकती है और किसानों की फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। एक माह पूर्व नहर के कटने से बीबीपुर बारडीह गांव पूरी तरीके से जलमगन हो गया था किसानों की फसलें पानी में डूब गई थी काफी मशक्कत के बाद किसी तरह नहर को बांधा गया फिर से इस बात की संभावना बढ़ गई है कि नहर कभी भी कट सकती है इस संबंध में नहर विभाग के जेई से बात करने पर उनका फोन ही नहीं उठा यह एसडीएम साहब से बात करने पर उन्होंने कहा कि लेखपाल को भेजकर जांच कराई जाएगी लेकिन अभी तक कोई भी कर्मचारी जांच के लिए नहीं पहुंचा है अगर पट्टी में फिर से नहर कटी तो किसानों की फसलें बर्बाद हो जाएंगी।

मोहर्रम के त्योहार को लेकर कर्बला में नगर पालिका ने की साफ-सफाई

कटरा रोड पर नाला क्लिंनिंग मशीन से हुई सफाई

प्रतापगढ़। नगर पालिका ने मोहर्रम की दसवीं के पहले बुधवार को कर्बला स्थल पर न केवल साफ-सफाई की, बल्कि रास्ते व मुख्य स्थल को पाटा गया तथा झाड़ियों को भी काटकर अलग किया गया। यह जानकारी देते हुए सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के मोहर्रम पर दिये गये विशेष निर्देश तथा नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह द्वारा बिना भेदभाव के सभी धर्मों के त्योहारों पर विशेष सफाई के निर्देश के चलते तीन दिनों से लगभग 50 सफाई कर्मचारी सफाई करने व झाड़ियों को काटने में लगे हैं।

नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत नियमित रुप से सफाई करने व एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। कर्बला के अलावा नगर के कटरा रोड पर विगत चार दिनों से नाला क्लीनिंग मशीन लगाकर सफाई कराई जा रही है जिसकी निगरानी सफाई प्रभारी प्रशांत सिंह करते हैं। पूरे नगर को साफ-सुथरा रखने तथा संक्रमण को रोकने के लिये नियमित सफाई से नगर में प्रदूषण रुका है। एंटी लार्वा के छिड़काव से मच्छरों का प्रकोप भी पहले की अपेक्षा कम हुआ है।

रहस्यमय हालत में गायब शिवांश उन्नव से बरामद

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली क्षेत्र के रोडवेज बस स्टेशन के पास से नाबालिक शिवांश सिंह रहस्यमय परिस्थितियों में मंगलवार की शाम से गायब हो गया था जिसकी सूचना पर पुलिस हरकत में आई, लेकिन आज सुबह तक जब उसका कोई पता नहीं चला तो पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सख्त कदम उठाते हुए पुलिस टीम बनाई, जिसका परिणाम सामने आया। छह घंटे बाद ही पुलिस ने उननव के गंगा घाट थाना के कंकर खेड़ा स्टेडियम के पास से किशोर को बरामद कर लिया। किशोर के बरामद कर लेने से जहां पुलिस ने राहत की सांस ली, वहीं घरवाले जो कल से बेहाल थे, उनमें नई उम्मीद जगी है कि उनके घर का बेटा वापस लौट आएगा। किन परिस्थितियों में वह बच्चा कैसे उननव पहुंचा, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

आरपीएफ थाने पर स्टाफ की हुई विदाई

प्रतापगढ़। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट पर बुधवार को वीआरएस लेने वाले आरक्षी राजेन्द्र सिंह की विदाई हुई। उनका बाकी का जीवन सुखमय बीते लोगों ने इसकी कामना की। इस मौके पर स्टाफ ने उन्हें उपहार भेंट किया। बैंड बाजे के साथ उनकी विदाई यात्रा स्टेशन पर निकली। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा ने की। एसओ जीआरपी हरिनाथ यादव, सीडीओ वीबी शुक्ला, एसआई मंजीत, और अमेठी आरपीएफ स्टाफ ने विचार रखे। संचालन ए एसआई संजय राय ने किया। विदाई की बेला पर राजेन्द्र सिंह की आंखें नम हो गई।

पार्टी को जीत दिलाना ही कार्यकर्ता की जिम्मेदारीः सुब्रत पाठक

श्रीराम वाटिका में आयोजित बूथ सत्यापन में शामिल हुए कननैज सांसद

प्रतापगढ़। भाजपा काशी प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री व कननैज सांसद सुब्रत पाठक की अगुवाई में श्रीराम वाटिका में सदर विधान सभा क्षेत्र के बूथ सत्यापन की बैठक हुई। मुख्य अतिथि सुब्रत पाठक एवं सांसद संगमलाल गुप्ता ने दीनदयाल उपाध्याय और डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सुब्रत पाठक ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अब चुनाव ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए कितना ही बड़ा कार्यकर्ता क्यों न

हो, जिस बूथ में वह रहता है, वहां उसकी जिम्मेदारी पार्टी को जीत दिलवाने की होगी। प्रदेश में 2022 में पुनः भाजपा की बहुमत की सरकार बनाने के लिए मेरा बूथ सबसे मजबूत हो इसके लिए सभी को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ बूथ समिति का सत्यापन का कार्य करना है। कार्यक्रम संयोजक व जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र नाथ शुक्ला ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कुछ साल पहले भ्रष्टाचार, जातिवाद, भाई-भतीजावाद की जंजीर में जकड़ा था. मगर, बीते चार सालों की बात की जाए तो प्रदेश अब इस महामारी से बाहर निकल कर देश को लीड करने वाला प्रदेश बना है। सम्बोधन के पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता, अभय प्रताप सिंह पप्पन ने स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि सुब्रत पाठक का स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री राजेश सिंह, आशीष श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष गोकुल श्रीवास्तव, गणेश नारायण मिश्रा आदि मौजूद रहे।

शौच के लिए गए अधेड़ की तालाब में डूबने से मौत

परियावां, प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के लखपेड़ा भवानीगंज चौकी के अंतर्गत भवदासपुर निवासी राजू कोरी (70) वर्षीय मंगलवार की शाम घर से शौच के लिए गांव के बगल तालाब में गया था जहां पैर फिसल जाने से डूबकर मौत हो गई। परिजनों ने खोज बीन किया लेकिन पता नही चल सका। बुधवार की सुबह लगभग 10 बजे ग्रामीणों की नजर तालाब के पानी मे पड़ी तो राजू का शव देख हड़कम्प मच गया। ग्रामीणों के सहयोग से शव को तालाब से बाहर निकाला गया रात भर पानी मे पड़े रहने से राजू की मौत हो चुकी थी। शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। राजू की मौत की जानकारी होने पर ब्लाक प्रमुख पति बाबागंज रामयश सरोज मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर संवेदना जताई साथ ही मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। घटना की जानकारी मिलते ही संग्रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुची और शव की लिखा पढ़ी करके पीएम के लिए भेजा। इस दौरान उनके साथ पंकज यादव जिला सचिव जनसत्ता दल, प्रधान मोहम्मदपुर सोहाग, सुनील कुमार द्विवेदी पप्पू, राजू यादव, सौरभ मिश्रा नेता आदि मौजूद रहे।

बाल्मीकि समाज वाले गांवों में पहुंचायें योजनाओं का अधिकाधिक लाभ ः धीरेंद्र

राज्य स्तरीय निगरानी समिति के सदस्य धीरेंद्र वाल्मीकि ने पीएम आदर्श ग्राम योजना की प्रगति का लिया जायजा

भदोही। राज्य स्तरीय निगरानी समिति के सदस्य धीरेंद्र कुमार वाल्मीकि ने अपने जनपद भ्रमण के दौरान प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले बाल्मीकि समाज वाले गांवों में योजनाओं का अधिकाधिक लाभ देना है।

उन्होंने कहा कि विद्युत सौभाग्य योजना के अन्तर्गत निःशुल्क कनेक्शन दिया जाना है। विद्युत विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 61712 सौभाग्य योजना के तहत निःशुल्क विद्युत कनेक्शन दिये गये। श्री वाल्मीकि ने प्रधानमंत्री योजना के आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत अटल पेंशन योजना की जानकारी लिया। अधिकारियों ने बताया कि अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत 792 लोगों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना सरकार की महत्वकांक्षी योजना है। इसको पूरी तन्मयता से करना है।

उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी भानू प्रताप सिंह से इस सम्बन्ध में सभी अधिकारियों की अलग से बैठक बुलाकर तेजी से कार्य कराने का अनुरोध किया। माननीय सदस्य ने सभी अधिशासी अधिकारियों की अलग से बैठक की। इस बैठक में हुडको से किसी प्रतिनिधि के बैठक में प्रतिभाग न करने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत जनपद भदोही में वर्ष-2020-21 में चयनित विकास खण्ड औराई में अहरपुर, लीलापुर, नुआव, विकास खण्ड भदोही में माधोरापुर, सामलकोट, छतनीपुर, अस्ती, विकास डीघ में अस्ता, सुजातपुर, गोलखरा, विकास खण्ड ज्ञानपुर में ज्ञानपुर देहात, विकास खण्ड सुरियावॉ में भटेवरा, कैड़ा, जगदीशपुर, विकास खण्ड अभोली में हरिकरनपुर, धनापुर बछपट्टी, सम्बन्धित ग्रामों में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत प्रति ग्राम रू0 20.00 लाख की दर से प्राप्त धनराशि में से कार्य प्रारम्भ कराने हेतु शासन द्वारा चयनित कार्यदायी संस्था यूपी सिडको भदोही को प्रथम किस्त के रूप में रू0 200.00 लाख की धनराशि दिनांक 18 जून 2021 एवं 05 जुलाई 2021 के माध्यम से उपलब्ध करायी जा चुकी है। ग्रामों में कन्वर्जन के माध्यम से चिन्हित कायी को कराये जाने हेतु ग्रामवार कार्य की सूची सम्बन्धित विभागों यथा जिला पंचायत राज अधिकारी, विद्युत विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, दूर संचार विभाग, ई0डिस्ट्रिक मैनेजर एवं जिला कार्यक्रम विभाग को भेजा जा चुका है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भानू प्रताप सिंह, उप निदेशक कृषि अरविंद कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय, जिला पूर्ति अधिकारी सीमा सिंह, जिला समाज कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे

शिक्षा जीवन को सरल बनाने का एकमात्र उपायः रवींद्र

कहा शिक्षक के साथ अभिभावक भी निभाएं जिम्मेदारी

ज्ञानपुर। कोरोना काल में बाधित चल रही शिक्षा व्यवस्था अब पटरी पर लौटने को तैयार है। 23 अगस्त से कक्षा छह से आठ तक के परिषदीय विद्यालयों को पढ़ाई के लिए खोल दिया जाएगा। पुस्तकों के अभाव में पढ़ाई बाधित न होए इसके लिए इस दफा विभाग ने पहले से ही तैयारी कर रखी है। बुधवार को स्कूलों के खुलने से पहले ही पुस्तकों का वितरण शुरू कर दिया गया है। आज प्रभारी बीएसए रवींद्र शुक्ल ने आज उच्च प्राथमिक विद्यालय ज्ञानपुर में किताबों के सेट का वितरण किया।

उच्च प्राथमिक विद्यालय ;कक्षा एक से कक्षा आठ तकद्ध ज्ञानपुर में प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रवींद्र शुक्लए वित्त एवं लेखाधिकारी ;बेसिक शिक्षाद्ध त्रिभुवन प्रसादए प्रधानाध्यपिका सतगुरु प्यारी श्रीवास्तवए जिला समन्वयक ;सामुदायिक सहभागिताद्ध ने संयुक्त रूप से उपस्थित अभिभावकों को उनके पाल्यों की कक्षा के अनुसार निशुल्क पाठ्यपुस्तकों का सेट प्रदान कर पाठ्यपुस्तकों के वितरण का शुभारंभ किया।

प्रभारी बीएसए रवींद्र शुक्ल ने कहा कि मानव जीवन को सरल सुगम व विकसित करने के लिए समुचित शिक्षा ही एकमात्र साधन है। शासन व विभाग शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सबको गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। जिसके लिए तमाम सुविधाएं निशुल्क दी जा रही हैं। पाठ्यपुस्तकों का सेट भी इसी क्रम में दिया जा रहा है।

परए ये संकल्प तभी पूरा होगाए जब इसके लिए उत्तरदायी अध्यापकए छात्र व अभिभावक अपने कर्तव्यों का निर्वहन ससमय समुचित तरीके से करेंगे।

राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक अखिलेश कुमार ने कहा कि हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में प्रवेश कर चुके हैं। दुनिया के विकसित देश समुचित शिक्षा के बल पर ही अपने चरमोत्कर्ष पर हैं। हमें भी अपने बच्चों को किसी भी परिस्थिति में समुचित शिक्षा देने हेतु प्रतिबद्धता दिखानी ही होगीए तभी देश विकसित होकर पुनरू विश्व गुरु बन सकता है।

मुम्बई में सम्मानित हुए वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी हरीश सिंह

भदोही। अपनी लेखनी और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाने वाले पत्रकार व सामाजिक चिंतक हरीश सिंह का मंगलवार को जोगेश्वरी के पाताली हनुमान मंदिर और गौतम नगर के शिवमंदिर में उत्तर भारतीय समाज द्वारा पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र भेंटकर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सिर्फ भदोही ही नहीं वरन पूर्वांचल के विभिन्न जिले से उत्तर भारतीय समाज के लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर श्री पाताली हनुमान मित्र मंडली के महंथ कमलेश तिवारी ने कहा की पत्रकार यदि निष्पक्षता से अपनी कलम का सदुपयोग करें तो समाज के लोगों में जागरूकता आती है। अधिकारी व जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहते है। वहीं समारोह के आयोजक अनिल देवीचरन मिश्र ने कहा कि श्री सिंह की लेखनी से सिर्फ भदोही और पूर्वांचल ही नहीं बल्कि मुंबई का उत्तरभारतीय समाज भलीभांति परिचित है। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को श्री सिंह ईमानदारी से निभा रहे है। समाजसेवी हरीश सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा मैं जब भी मुंबई आता हूं तो पूर्वांचल के लोगों का प्यार देखकर अभिभूत हो जाता हूं। अपने उत्तरभारतीय समाज की सबसे बड़ी खासियत है कि अपनी माटी की महक अपने धार्मिक और सामाजिक संस्कारो की खुशबू महाराष्ट्र की धरती पर बिखेर कर यहां के विकास को गति दे रहे हैं। इस मौके पर हमार पूर्वांचल के प्रवीण मिश्र का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर अनिल देवीचरण मिश्रए कमलेश तिवारीए राम सागर दूबेए बीएन पांडेयए पवन देवी चरण मिश्रए राम तिवारीए मुन्नू दूबेए पिंटू देवीचरण मिश्रए धर्मेंद्र सिंहए रवि तिवारी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

तेज बारिश में धरासायी हुई चरहदीवारी

चौरी। मंगलवार को हुई बारिश से चौरी बाजार में एक पक्के मकान की लगभग पचास फुट लम्बी चहार दीवार धराशाई हो गया। हालांकि इस घटना में लोग बाल.बाल बच गएए लेकिन एक पशु को चोटें आ गई। बाजार निवासी अनन्त कुमार गुप्त का सोनकर बस्ती के पास एक पुराना मकान है। तेज हवा के साथ हुई बारिश से पश्चिम की तरफ का पूरा दीवार गिर गया।

उप कृषि निदेशक अरविन्द कुमार सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

भदोही। जिला मजिस्ट्रेट/निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने बताया कि जनपद भदोही में जिला पंचायत के निर्वाचित सदस्यों में से जिला योजना समिति के सदस्यों के निर्वाचन को सकुशल एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराने हेतु आयोग के अधिसूचना के क्रम में मैं आर्यका अखौरी जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) जिला योजना समिति निम्न विवरण के अनुसार सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त करती हूँ तथा निर्देशित किया जाता है कि नामांकन फार्मो की बिक्री से लेकर मतगणना तक के सभी कायी का सकुशल सम्पादन आयोग के निर्देशानुसार सम्पन्न करायेंगे। निर्वाचन की समस्त प्रक्रिया निम्न विवरणानुसार निर्धारित स्थान पर की जायेगी। जिला पंचायत भदोही में पद सदस्य जिला योजना समिति, नामांकन पत्रों की बिक्री से लेकर मतगणना कराये जाने का स्थान, न्यायालय कक्ष जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट मुख्यालय सरपतहां, सहायक निर्वाचन अधिकारी का नाम पदनाम अरविन्द कुमार उप कृषि निदेशक किया गया है।

दो साल के आर्यन को फिर खींच ले गई मौत

घर के सामने गढ्ढे में भरे पानी में डूबने से हुई मौत, सप्ताहभर पहले भी उसी गढ्ढे में गिर गया था आर्यन

मोढ़/भदोही। सप्ताहभर पहले मौत के क्रूर पंजे से बचकर निकला दो साल का आर्यन दोबारा नहीं बच सका। घर के सामने स्थित गढढे में भरे पानी में डूबकर उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक आर्यन के साथ इसी तरह का हादसा सप्ताहभर पहले हुआ था। उस समय परिजनों की नजर समय रहते आर्यन पर पड़ गई थी और उसे सकुशल निकाल लिया गया थाए लेकिन इस बार हादसे की जानकारी तब हुईए जब आर्यन का शरीर पानी की सतह पर आ गया।

यह मामला जनपद के मोढ़ पुलिस चौकी क्षेत्र के बसपरा गांव का है। जानकारी के मुताबिक बसपरा निवासी जिलाजीत उपाध्याय का पौत्र आर्यन उपाध्याय ;दो वर्षद्ध मंगलवार की शाम अपने घर के सामने खेल रहा था। इसी दौरान कब वह सामने स्थित पानी से भरे गढ्ढे में चला गयाए किसी को पता ही नहीं चला। काफी देर तक आर्यन के नहीं दिखने पर उसकी मां शिव देवी सहित अन्य परिजनों ने तलाश शुरू कीए पर कोई पता नहीं चला। परिजनों ने घटनास्थल को भी देखाए आसपास के घरों में पता किया। लेकिनए आर्यन के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इधरए काफी देर बाद आर्यन का शव गढ्ढे के पानी में सतह पर उतराया दिखा। इस पर लोगों ने गढ्ढे में कूदकर आर्यन को बाहर निकाला और उसे तत्काल अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने आर्यन को मृत घोषित कर दिया। आर्यन पुत्र सुरेंद्र कुमार उपाध्याय को मृत घोषित किए जाने पर पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मां शिवदेवी का रो.रोकर बुरा हाल है। आर्यन की मां शिव देवी ने बताया कि एक दिन पहले भी आर्यन उसी गढ्ढे में डूब गया था। उस समय रहते उसे देख लिया गया था और बचा लिया गया थाए लेकिन सप्ताहभर के बाद दोबारा हुई इस घटना में उसे बचाया नहीं जा सका।

एक अदद आवास को तरस रहा जिलाजीत का परिवार

आर्यन चार भाई व एक बहन में चौथे नंबर का था। इस हादसे की सूचना पर आसपास के लोग जिलाजीत उपाध्याय के घर ढांढस बंधाने पहुंच गए। सवर्ण होने का दंश झेल रहे जिलाजीत उपाध्याय की माली हालत इतनी खराब है कि उनके परिवार के पास रहने के लिए एक अदद छत भी नहीं है। परिवार किसी तरह मेहनत मजदूरी कर गुजारा कर रहा है। आरक्षण के नाम पर हमेशा से सवर्णों को हाशिए पर रखे जाने का परिणाम जिलाजीत की हालत को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है। ग्रामसभा में सरकार की तरफ से बहुत से परिवारों को सरकारी आवासए शौचालय समेत तमाम सुविधाएं दी गई होंगीए पर जिलाजीत उपाध्याय के परिवार को एक अदद आवास के काबिल भी नहीं समझा गया। जिलाजीत की हालत को देखकर सरकारी योजनाओं की हकीकत आसानी से समझी जा सकती है।

विंध्यवासिनी धाम से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

कार सवार चार अन्य लोग हुए घायल, आधी रात हुआ हादसा

सावन के आखिरी मंगलवार को पिता की भी हुई थी मौत

ज्ञानपुर/भदोही । सावन के आखिरी मंगलवार को मां विंध्यवासिनी का दर्शन.पूजन करने गए युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह हादसा मां विंध्यवासिनी धाम ;मिर्जापुरद्ध से घर लौटते समय देर रात हुआ। हादसे में कार सवार चार लोग जख्मी हो गए हैं। युवक की मौत से घरवालों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जाता है कि कुछ वर्ष पहले युवक के पिता की भी मौत सावन के आखिरी सोमवार को हुई थी।

जानकारी के मुताबिक जनपद के नगर पंचायत ज्ञानपुर के वार्ड संख्या दो निवासी विमल मौर्य ;22द्ध पुत्र स्वण् फूलचंद्र कार से अपने दोस्तों के साथ मंगलवार की देर शाम मां विंध्यावासिनी के दर्शन के लिए मिर्जापुर गया था। बताया जाता है कि मां की आराधना करने के बाद देर रात ग्यारह बजे विमल अपने दोस्तों के साथ कार से निकला और घर लौटने लगा।

आधी रात के वक्त गोपीगंज से कुछ पहले गोपपुर मोड़ पर कार अनियंत्रित हो गई और जब तक चालक कार को संभाल पाताए कार किनारे पर स्थित एक पेड़ से जा टकराई। जिस समय यह हादसा हुआए कार की रफ्तार ज्यादा थी और किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। पेड़ से टकराने केबाद कार में आगे बैठा विमल गंभीर रूप से जख्मी हो गयाए जब तक उसे चिकित्सकीय सुविधा मुहैया हो पातीए उसके प्राण पखेरू उड़ चुके थे।सूचना मिलने पर मुकामी पुलिस पहुंची और सभी को नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवायाए जहां पर कार सवार चार अन्य लोगों का उपचार किया गया। जबकि विमल को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। रात के वक्त जैसे ही इस हादसे की सूचना विमल के घर पहुंचीए कोहराम मच गया। रोते.बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को चीरघर भेज दिया है। बताया जाता है कि विमल पांच भाई.बहनों में दूसरे नंबर का था और वही अपने परिवार की देखभाल करता था। सावन के आखिरी मंगलवार को हुए इस हादसे से पूरेपरिवार की खुशियां खत्म हो गई है। परिवार के साथ ही आसपास के घरों में भी मातमी माहौल है।

आरोग्य केंद्र के लिए जमीन का हुआ चिन्हांकन

चौरी। क्षेत्र के लठियां गाव में शासन की स्वीकृति पर आरोग्य केंद्र बनने के लिए बुधवार को हल्का लेखपाल व प्रधान पति मुनन चौहान ने जमीन को चिंहित किया। दरूनहां न्याय पंचायत स्थित लठियां गावं में चार दशक पूर्व ग्रामीणों महिलाओं की सुबिधा के लिए जच्चा बच्चा केंद्र बनाया गया था। लगभग बीस वर्ष से उक्त जच्चा बच्चा केंद्र का भवन अति जर्जर अवस्था में हो चुका है। ऐसे में स्वास्थ्य कर्मियों को गांव में कही बैठने का निश्चित स्थान नही था।

सोलह गांवो के किसानों के फसल नुकसान का जल्द मिलेगा मुआवजा ः एसडीएम

ज्ञानपुर। बाढ़ से जहां जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं किसानों को खासा नुकसान उठाना पड़ा है। कई गांवों में फसल जलमगन होकर नष्ट हो गई है। अनन्दाताओं का कहना है कि उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। लिहाजा सर्वे कराकर मुआवजा दिलाएं। गंगा किनारे बसे गांव व मजरों में पानी का भराव होने से जीना दुश्वार हो गया है। जल स्तर में बढ़ोतरी के बाद कुछ दिनों से जलस्तर घटने लगा है। तटवर्ती क्षेत्र में बसे कई गांवों में बाढ़ के पानी से हुए नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। उपजिलाधिकारी योगेन्द्र साहू ने बताया कि बाढ़ क्षेत्रों का सर्वे का कराया गया। सर्वे के दौरान 16 गांवो के किसानों का फसल नुकसान हुआ है। फसलों के मुआवाज के सम्बंध में रिपीट शासन को भेज दिया गया है। बताया कि एक हेक्टेयर सिंचित फसल के लिए 13500 रूपये तथा असिंचित फसलों के लिए 65सौ रूपये दिये जायेंगे। कहा कि नुकसान फसल का मुआवजा सीधे किसानों के खाते में भेजा जायेगा। उन्हांने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा आलाधिकारियो के साथ मै स्वंय कर रहा हूं। कहा कि इस समय गंगा घटाव की ओर है।

मिशन शक्तिः अगस्त से दिसम्बर तक होगा विभिन्न कार्यक्रम ः सीडीओ

सीडीओ ने बताया कि विस्तृत कार्ययोजना के अनुसार जागरूकता शिविरों का होगा आयोजन

भदोही। मुख्य विकास अधिकारी भानू प्रताप सिंह ने बताया कि जनपद भदोही में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा सम्मान एवं स्वालंबन के लिये मिशन शक्ति के अन्तर्गत माह अगस्त 2021 से दिसम्बर 2021 तक विस्तृत कायर्योजना के अनुसार जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जायेगा। मिशन शक्ति 3ण्0 के अन्तर्गत महिला कल्याण विभाग और बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा संयुक्त कायर्योजना के अन्तर्गत गतिविधियों का संचालन किया जायेगा। मिशन शक्ति 3ण्0 के अन्तर्गत इस वर्ष माह अगस्त 2021 से दिसम्बर 2021 तक अभियान संचालित किये जाने हेतु कायर्योजना शासन द्वारा प्राप्त हुआ है। समस्त कार्यक्रमों में सभी अधिकारी व कार्मिक कोविड.19 के अन्तर्गत सुरक्षा मानको जैसे मास्क सेनेटाइजर सोशल.डिस्टेन्सिग आदि को ध्यान रखते हुए गतिविधियों में प्रतिभाग व संचालन हेतु शासन द्वारा निर्देश प्राप्त हुआ है। प्रस्तावित शिविरों के आयोजन हेतु प्रतिभागियों में महिलाओं को सम्मालित किया जाना है। मुख्य विकास अधिकारी भानू प्रताप सिंह के द्वारा न्याय पंचायतवार नोडल अधिकारी नामित किया गया है। जिसमें पुलिस विभागए स्वास्थ्य विभागए जिला पंचायतए जिला परिषदए जिला बेसिकए माध्यमिक शिक्षा परिषदए राष्ट्रीय आजिविका मिशनए बाल विकास पुष्टाहारए महिला कल्याणए खेल.कूद क्रीडाए जिला उद्योग विभागए स्थानीय नगरीयए जिला समाज कल्याणए जिला पिछड़ा कल्याणए जिला अल्पसंख्यकए जिला कृषिए जिला विकासए बाल विकास परियोजनाए सहायक श्रमायुक्तए सदस्यध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरणए जिला विद्यालय निरीक्षकए जिला कार्यक्रमए डूडा विभागए खण्ड विकास अधिकारी भदोहीए उप जिलाधिकारी भदोही। दिनांक 19 अगस्त को मेगा ईवेन्ट.रक्षा उत्सव ;बच्चों तथा महिलाओं को विभिन्न प्रकार की हिंसा से बचाव सम्बन्धी कार्यक्रमद्ध तथा विभिन्न कार्यक्रम तिथिवार लगाई गई है। जो निमननुसार है.स्वावलंबन कैम्पए कानूनी जागरूकता अभियान. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन शोषणए ग्राम बाल संरक्षण समितियों की बैठक स्वावलंबन कैम्पए मेगा ईवेन्ट.प्रधान सम्मेलनए स्वावलंबन कैम्प घरेलू हिंसा पर ग्राम स्तर पर नुक्कड़ नाटकए लिंगानुपात पर जागरूकता हेतु ग्राम स्तर पर डिजिटलध्नालॉग गुड्डा.गुड्डी बोर्ड की स्थापनाए ग्राम बाल संरक्षण समितियों की बैठके एवं स्वावलंबन कैम्पए मेगा ईवेन्ट.नायिका बालिकाओं तथा महिलाओं द्वारा सांकेतिक भूमिका निर्वहनए हक की बात जिलाकारी के साथए ग्राम बाल संरक्षण समितियों की बैठकेंए मेगा ईवेन्ट.अनन्नता प्रेरक महिलाओं तथा बालिकाओं की पहचान व सम्मानए सुरक्षा एक्सप्रेस मोबाइल वैन माध्यम से महिलाओं तथा बच्चों के मद्दो पर जागरूकता। उक्त अभियान के सफल संचालन हेतु आपको निर्देशित किया जाता है कि जागरूकता शिविर में अपने स्तर से ससमय प्रतिभाग करने हेतु सम्बन्धित को निर्देश जारी करना सुनिश्चित करें। मिशन शक्ति माननीय मुख्यमंत्री जी की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है। उपरोक्त कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये एवं जिलाधिकारी के आदेश दिनांक 05 अगस्त 2021 के क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी को नोडल तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी को प्रतिदिन मिशन शक्ति समारोह से सम्बन्धित गतिविधियों का संचालन एवं निर्धारित प्रारूप फोटोग्राफ जिला प्रोबेशन कार्यालय कराने हेतु सह नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

सम्पादकीय

पड़ोस में बनता नया गठजोड़

पिछली बार तालिबान के शासन को न तो रूस ने मान्यता दी थी और न चीन ने। तब उसे महज तीन देशों- पाकिस्तान, सऊदी अरब और यूएई- से मान्यता मिली थी। जाहिर है, इस बार तालिबान की प्राथमिकताएं भी बदली हुई हैं। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर तालिबान के काबिज हो जाने के बाद अब क्षेत्रीय स्तर पर उभरता नया शक्ति संतुलन न सिर्फ भारत बल्कि अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों के लिए चिंता का नया कारण बन सकता है। हालांकि फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बिरादरी का ध्यान काबुल एयरपोर्ट से आ रही हृदयविदारक तस्वीरों पर लगा है। तालिबान के खौफ के मारे किसी भी उपाय से जान बचाकर अफगानिस्तान से निकलने की बेकरारी में विमान के पहियों से लटके लोगों की मौत के दृश्य कभी नहीं भुलाए जा सकेंगे। अगर तालिबान को शासन करना है तो उसे आतंक और दहशत का यह माहौल बदलना होगा। अभी उसकी कोशिश दुनिया को यह एहसास दिलाने की भी है कि वह बदल गया है। यानी 1996-2001 के बीच उसने अफगानिस्तान में जो जुल्म-ज्यादतियां की थीं, इस बार नहीं होंगी। इसके जरिये वह वैश्विक समुदाय में स्वीकार्यता बढ़ाना चाहता है। इसीलिए तालिबान ने देश के अंदर आम माफी का ऐलान किया है। उसने लोगों से रूटीन लाइफ की ओर लौटने की अपील की है।

इसका कितना असर अफगानिस्तान के आम लोगों पर होता है और खुद तालिबान अपने वादों पर कितना अमल करता है, यह कुछ समय बाद स्पष्ट होगा। लेकिन इस बीच इतना तय हो चुका है कि चाहे जिस तरह की भी सरकार बने, तालिबान ही मुख्य भूमिका में होगा। इसीलिए आस-पड़ोस के कई देशों ने तालिबान के नेतृत्व वाले अफगानिस्तान के साथ सहयोग की इच्छा दर्शानी शुरू कर दी है। इनमें सबसे आगे है चीन। उसने साफ-साफ कहा है कि वह अपना भविष्य खुद गढ़ने के अफगानी लोगों के अधिकार का सम्मान करता है और उनके साथ दोस्ती और सहयोग के संबंधों का विकास जारी रखना चाहता है।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने तो काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद यहां तक कह दिया कि अफगानिस्तान के लोगों ने गुलामी की जंजीरें तोड़ डाली हैं। तालिबान से पाकिस्तान के करीबी संबंधों पर तो खैर पहले भी कोई शक नहीं था। लेकिन इस बीच रूस ने भी तालिबान के प्रतिनिधियों से बातचीत शुरू करने की बात सार्वजनिक रूप से मानी, जो संकेत है कि दोनों पक्षों में सहयोग की जमीन तैयार हो रही है। ध्यान रहे, पिछली बार तालिबान के शासन को न तो रूस ने मान्यता दी थी और न चीन ने। तब उसे महज तीन देशों- पाकिस्तान, सऊदी अरब और यूएई- से मान्यता मिली थी। जाहिर है, इस बार तालिबान की प्राथमिकताएं भी बदली हुई हैं। उसके प्रयासों का ही फल है कि ईरान ने अभी खुलकर कुछ भले न कहा हो, इतना संकेत उसने भी दिया है कि अगर उसके हितों पर कोई चोट न पहुंचे और सीमावर्ती शिया आबादी को न छेड़ा जाए तो सहयोग के संबंधों पर विचार करने में उसे खास दिक्कत नहीं होगी। साफ है कि चीन, पाकिस्तान, रूस, ईरान और अफगानिस्तान का यह संभावित गठजोड़ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत जैसे देशों के लिए एक बड़ी कूटनीतिक चुनौती साबित हो सकता है जो चीन को अपने साझा विरोधी के रूप में देखते हैं।

चीन और पाकिस्तान का खतरनाक खेल

विष्णु प्रकाश

काबुल पर कब्जे के बाद अफगानिस्तान का पूरी तरह कंट्रोल तालिबान के हाथ में आ गया है। जहां तमाम देश काबुल में फंसे अपने नागरिकों को निकालने में जुटे हैं वहीं चीन ने तालिबान से दोस्ती का ऐलान कर दिया है। रूस ने भी तालिबान को मान्यता देने के संकेत दिए हैं। तालिबान के कब्जे को अभी अधिक वक्त नहीं हुआ है, फिर भी चीन और रूस उसे मान्यता देने के लिए इतने उतावले क्यों हो रहे हैं?

चीन की चाल : असल में, तालिबान को अफगानिस्तान की सत्ता में लाने के पीछे चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत है। हमें याद रखना होगा कि 10 एक दिन पहले तालिबान नेता मुल्ला बारादर जब एक डेलिगेशन लेकर चीन गए थे तो विदेश मंत्री वांग यी उनसे मिले थे। वांग यी ने तब कहा कि तालिबान शांति, रीडिवेलपमेंट और रीकंस्ट्रक्शन का एक सिंबल है। यह चौंकाने वाला बयान था क्योंकि इससे पहले किसी ने भी तालिबान को शांति दूत नहीं कहा था। तालिबान को लेकर चीन का रवैया किसी सिद्धांत पर आधारित नहीं है। वह मौकापरस्ती कर रहा है। चीन के ऐसा करने की वजह यह है कि शिनच्यांग में उइगुरों के साथ जो दुर्व्यवहार हुआ है, उससे तालिबान काफी खफा है। तालिबान सुनने संगठन है और शिनच्यांग सुनने बहुल क्षेत्र। इस लिहाज से उनमें एक भाईचारा है। शिनच्यांग में आजादी के लिए उइगुर लड़ाके आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उनका ठिकाना पूर्वोत्तर अफगानिस्तान का बदकशान शहर में है। चीन ने तालिबान से यह आश्वासन लिया है, वह चीन के विरोधियों के साथ सहयोग नहीं करेगा। उधर, पाकिस्तान का रुख क्या है, इसे वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान के बयान से समझा जा सकता है। उन्होंने कहा है कि तालिबान ने अफगानिस्तान में गुलामी की जंजीरें तोड़ दी हैं। इससे पहले वह ओसामा बिन लादेन को शहीद बता चुके हैं। अफगानिस्तान को लेकर वैश्विक समुदाय का रवैया भी ठीक नहीं है। दुनिया ने अफगानियों को तालिबान के रहमोकरम पर छोड़ दिया है। सच तो यह है कि अफगानियों के साथ एक क्रूर मजाक हुआ है, उनके साथ धोखा हुआ है। अफगानिस्तान में आज जो हालात हैं, उसके लिए अमेरिका सबसे ज्यादा दोषी है। उसने अपनी सेना वापस बुलाने के लिए पहले तो तालिबान से बातचीत शुरू की और फिर अचानक अफगानिस्तान से निकलने का फैसला कर लिया। नौबत यहां तक आ गई कि अमेरिका ने तालिबान से अपील की है कि आप हमारे लोगों के साथ कुछ मत कीजिए। दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क तालिबान से अपील कर रहा है तो इसका अपना ही एक मतलब है।

रूस ने अभी तालिबान को मान्यता देने पर साफ-साफ कुछ नहीं कहा है। उसका एक सैन्य अड्डा है ताजिकिस्तान में। उज्बेकिस्तान से उसके बहुत पुराने संबंध हैं। वह सोवियत संघ का हिस्सा हुआ करता था। रूस की कोशिश है कि तालिबान वहां कोई खुराफात न करे। अफगानिस्तान के मामले में भारत अपने हित देखकर कोई फैसला करेगा। हमारी कोई सीमा अफगानिस्तान से नहीं लगती। हमने तालिबान के खिलाफ हमेशा कड़ा रुख अपनाया है। वहां हमारे हित हैं और हमने काफी इन्फ्रास्ट्रक्चर भी डिवेलप किया है। भारत को यह भी आशंका है कि तालिबान की मदद से पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में कोई खुराफात न करे। जहां तक मुझे लगता है कि हमने तालिबान को यह संकेत दिया है कि आप अगर हमारे हित के खिलाफ काम नहीं करेंगे तो हम आपके हितों को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। लेकिन भारत की ओर से तालिबान को मान्यता देने का सवाल ही पैदा नहीं होता। तालिबान 2.ध् यानी जिसे नया तालिबान कहा जा रहा है, वह अगर रुख को थोड़ा सा भी नरम कर ले तो भारत को उससे बात करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। हम तालिबान की बातों से सहमत नहीं है, लेकिन उससे बातचीत करने में कोई हर्ज नहीं है। तालिबान ने इधर कहा है कि वह भारत के खिलाफ कुछ नहीं करेगा। लेकिन तालिबान पर भरोसा करने से बड़ी कोई गलती नहीं हो सकती। अगर भेड़िया, भेड़ की खाल ओढ़ ले तो वह भेड़ नहीं बन जाएगा, रहेगा वह भेड़िया ही। तालिबान यह दावा कर रहा है कि वह बदल गया है। हालांकि, जहां-जहां उसका कब्जा है, वहां उसने वही पुराने काम किए। वहां फतवा जारी किया, वहां इस्लामिक कानून लागू किए, वहां कहा कि 12 साल से अधिक उम्र की लड़कियों को हमारे लड़ाके अपने साथ लेकर जा सकते हैं। बदकशान में तालिबान ने एक महिला का कत्ल कर दिया क्योंकि उन्होंने नकाब नहीं पहना था। तालिबान विद्रोही घर-घर जा रहे हैं। उनके पास लिस्ट बनी हुई है कि कौन लोग सरकार के साथ थे। यह सब देखकर तो लगता है कि यह पुराना तालिबान ही है। इसमें कोई बदलाव नहीं आया है।

तालिबान संग चीन, रूस और पाक। पड़ोस में बनता नया गठजोड़

तालिबान आज दुनिया से वही कह रहा है, जो दुनिया सुनना चाहती है। मुझे लगता है कि सत्ता में आने के बाद वह अपना मुखौटा हटा देगा। लेकिन अगर वाकई उसमें कोई बदलाव आया है तो यह भारत सहित दुनिया के लिए अच्छी खबर होगी। इसके बावजूद भारत को इस मामले में लापरवाह नहीं होना चाहिए। मेरा यह भी मानना है कि अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान के आने की कीमत पाकिस्तान को भी चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान दोहरा खेल खेलने में माहिर है। उसने अमेरिका से अल कायदा और तालिबान से लड़ने के नाम पर खूब पैसा लिया और तालिबान को समर्थन भी देता रहा। इस बारे में तालिबान के पाकिस्तान में कभी राजदूत रहे मुल्ला जाइफ ने भी चेताया था। वह मुल्ला उमर के साथ तालिबान के संस्थापकों में शामिल थे।

आस्तीन में सांप : उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा कि पाकिस्तान एक दुष्ट मुल्क है। उस पर जब दबाव था, तब उसने कई तालिबान नेताओं को पकड़कर अमेरिका के हवाले कर दिया। पाकिस्तान ने तालिबान को दूसरे तरीकों से भी तंग किया। इसलिए पाकिस्तान को कभी तालिबान माफ नहीं करेगा। अभी तालिबान सबको आश्वासन देकर सत्ता में आना चाहता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह पाकिस्तान की कठपुतली बनेगा। हिलेरी क्लिंटन ने एक बार कहा था कि जो लोग आस्तीन में सांप पालते हैं, उनका हश्र अच्छा नहीं होता। पाकिस्तान को यह बात याद रखनी चाहिए।

आरक्षण पर संघ का साफ सुथरा नजरिया

के एम झा

हमारे देश में आरक्षण हमेशा ही राजनीतिक दलों के लिए एक ज्वलंत मुद्दा रहा है और हर राजनीतिक दल यह साबित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता कि दलितों और पिछड़ी जातियों के हितों की चिंता उसे दूसरे दलों से अधिक है। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं है । अनेक राजनीतिक दल तो आरक्षण के मुद्दे पर जब तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी निशाना साधने से भी नहीं चूकते जबकि आरक्षण के मुद्दे पर संघ का जो दृष्टिकोण कल था वही आज भी है। संघ ने कभी भी आरक्षण को चुनावी मुद्दा नहीं माना। किसी चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाओं को बलवती बनाने के लिए आरक्षण के मुद्दे पर का उसके निश्चित दृष्टिकोण से भटकाव भी देखने को नहीं मिला ।यह बात अलग है कि अनेक राजनीतिक दलों ने आरक्षण को लेकर संघ के दृष्टिकोण में बदलाव के आरोप लगाने में कभी संकोच नहीं किया। यह आश्चर्य का विषय है कि हमेशा ही संविधान सम्मत आरक्षण का समर्थक होने के बावजूद संघ को कठघरे में खड़ा करने की कोशिशें आज भी जारी हैं । विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि संघ प्रमुख और सरकार्यवाह की कभी भी पलटवार करने की रणनीति अपनाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। हर मंच से संघ प्रमुख और सरकार्यवाह ने आरक्षण को लेकर संघ का स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। मोहन भागवत ने आज से दो वर्ष पूर्व न ई दिल्ली में आयोजित भविष्य का भारत कार्यक्रम में आरक्षण को लेकर संघ के दृष्टिकोण की भली भांति व्याख्या करते हुए कहा था कि सामाजिक विषमता को हटाकर सबके लिए समान अवसर सुनिश्चित करने वाले संविधान सम्मत आरक्षण का संघ का पूरा समर्थन करता है। सामाजिक कारणों से समाज के एक हिस्से को हमने ?पिछले एक हजार साल में निर्बल बना दिया है । उनको ऊपर उठाने के लिए संविधान में आरक्षण का प्रावधान किया गया है। एक हजार की बीमारी को दूर करने के लिए अगर सौ डेढ़ सौ साल लगते हैं तो यह त्याग हमें करना ही पड़ेगा। यह हमारा कर्तव्य है। संघ प्रमुख ने भविष्य का भारत कार्यक्रम में स्पष्ट कहा था कि आरक्षण समस्या नहीं है। आरक्षण को लेकर होने वाली राजनीति असली समस्या है । आरक्षण कब तक जारी रहना चाहिए इस बारे में संघ प्रमुख ने सदैव एक ही बात कही है कि यह तय करने की जिम्मेदारी उन लोगों पर छोड़ दी जानी चाहिए जिनके उत्थान के लिए संविधान में आरक्षण का प्रावधान किया गया है।संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लगभग दो वर्ष पूर्व भविष्य का भारत कार्यक्रम में आरक्षण को लेकर जो विचार व्यक्त किए थे उनकी प्रासंगिकता आज भी उसी रूप में महसूस की जा सकती है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने हाल में ही न ई दिल्ली में आयोजित एक पुस्तक के विमोचन समारोह में इसी मुद्दे पर फिर एक बार संघ के दृष्टिकोण की विस्तार से चर्चा करते हुए आरक्षण को एक ऐतिहासिक आवश्यकता निरूपित किया है । दत्तात्रेय होसबोले ने अपने संबोधन मे संघ प्रमुख के इस कथन को दोहराया कि आरक्षण तब तक जारी रखा जाना चाहिए जब तक कि आरक्षण से लाभान्वित होने वाले लोग स्वयं ही इसे लेने से इंकार न कर दें। सरकार्यवाह ने कहा कि आरक्षण की सुविधा लेने से इंकार करना उन लोगों का विशेषाधिकार है जिनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए संविधान में आरक्षण का प्रावधान किया गया है। जब तक समाज का एक वर्ग गैर बराबरी का अनुभव करता है तब तक आरक्षण को जारी रखना होगा। सरकार्यवाह ने बिना किसी लाग-लपेट के दो टूक लहजे में कहा कि दलितों के इतिहास के बिना भारत का इतिहास अधूरा है। सरकार्यवाह जब आरक्षण को ऐतिहासिक आवश्यकता बताते हैं तब उनका आशय यही होता है कि इतिहास की गलतियों को सुधारने के लिए आरक्षण जरूरी है। गौरतलब है कि यही बात सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी भविष्य का भारत कार्यक्रम में आरक्षण के मुद्दे पर संघ का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कही थी।इसे भी एक संयोग ही माना जाना चाहिए कि जिस दिन सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले राजधानी में ङ्क मेकर्स आफ मार्डर्न दलित हिस्ट्री ङ्क नामक पुस्तक का विमोचन किया उसी दिन लोकसभा में ओबीसी आरक्षण संशोधन विधेयक पारित किया गया और दूसरे दिन राज्य सभा ने भी इस विधेयक का अनुमोदन कर दिया।

बाइडन ने 21वीं सदी का सबसे बड़ा कलंक अमेरिका के माथे पर लगवा दिया है

नीरज कुमार दुबे

तालिबान का राज हो जाने से अफगानिस्तान एक बार फिर आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बनेगा और दुनियाभर में आतंकवाद बढ़ सकता है। जिस तरह पहले अल कायदा या अन्य आतंकवादी संगठनों के केंद्र अफगानिस्तान में थे वही स्थिति अब दोबारा हो सकती है। अमेरिका का राष्ट्रपति अपने देश का संवैधानिक प्रमुख तो होता ही है साथ ही उसे पूरी दुनिया के सबसे ताकतवर नेता के रूप में भी देखा जाता है। लेकिन इस साल अमेरिका की कमान सँभालने वाले जो बाइडन सबसे कमजोर राष्ट्रपति माने जा रहे हैं। पूरी दुनिया में उनकी आलोचना हो रही है क्योंकि बाइडन ने इतनी बड़ी गलती कर दी है जिसके लिए इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। बाइडन ने अमेरिका के माथे पर 21वीं सदी का सबसे बड़ा कलंक लगवा दिया है। अफगानिस्तान में अमेरिका लड़ाई जिस तरह हारा है उसका ठीकरा सिर्फ बाइडन सरकार पर नहीं फोड़ा जायेगा बल्कि हर अमेरिकी के साथ यह बात दर्ज हो गयी है कि उसका देश जिस तरह वियतनाम से पीठ दिखा कर भागा था वैसा ही उसने अफगानिस्तान में भी किया। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों के सुरक्षित भागने की होड़ इतिहास के पननें पर अमेरिका की बड़ी हार के रूप में दर्ज हो गयी है।

दुनियाभर में बढ़ेगा आतंकवाद

तालिबान का राज हो जाने से अफगानिस्तान एक बार फिर आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बनेगा और दुनियाभर में आतंकवाद बढ़ सकता है। जिस तरह पहले अल कायदा या अन्य आतंकवादी संगठनों के केंद्र अफगानिस्तान में थे वही स्थिति अब दोबारा हो सकती है। कहा जा सकता है कि बाइडन ने सिर्फ अफगानिस्तान ही नहीं पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। खुद अमेरिका के लिए आने वाले समय में मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि तालिबान पर चीन और पाकिस्तान का प्रभाव ज्यादा है और इन दोनों ही देशों से अमेरिका के संबंध सहज नहीं हैं। अमेरिकी फौजों के पूरी तरह निकलने के बाद तालिबान पहले तो उन लोगों को सबक सिखायेगा जिन्होंने पिछले दो दशक में अमेरिकियों का साथ दिया उसके बाद दुनिया भर में अमेरिकी प्रति।ान भी निशाने पर आ सकते हैं। वैसे भी तालिबान की इस जीत से दुनिया के कोने-कोने में मौजूद आतंकी तत्वों का हौसला बढ़ा हुआ है।

अमेरिका ने अफगानियों को बिलखने को छोड़ा

अमेरिका मानवाधिकारों के बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है। दुनियाभर में किस देश का मानवाधिकारों के सम्मान की दृष्टि से कौन-सा स्थान है इसकी रैंकिंग जारी करता है। लेकिन जिस तरह से अफगान लोगों के मानवाधिकारों को अमेरिका ने खतरे में डाल दिया है उसके लिए उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता। जो बाइडन राष्ट्रपति बनने से पहले बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान आठ साल देश के उपराष्ट्रपति भी रह चुके हैं। अनुभवी राजनेता और प्रशासक होने के बावजूद उनसे इतनी बड़ी गलती हुई है जिसे अब वह ढंकने का प्रयास कर रहे हैं अमेरिकी राष्ट्रपति अगर यह कहें कि हमें इतनी जल्दी काबुल की हार का अंदाजा नहीं था तो साबित होता है कि वहां प्रशासन किस तरह चलाया जा रहा है। बाइडन ने जो फैसला किया उससे अफगानिस्तान की आधी आबादी के लिए संकट खड़ा हो गया है, उनके भविष्य के सपने टूट गये हैं। बड़ी संख्या में अफगानिस्तान में महिलाएं बैंकों, सरकारी दफ्तरों, मीडिया आदि क्षेत्रों में नौकरी कर रही थीं। विदेशी मदद से बनाये गये स्कूलों, कॉलेजों में पढ़ रही थीं, तमाम प्रकार के वाणिज्यिक कोर्स इत्यादि कर बेहतर भविष्य का सपना बुन रही थीं। लेकिन एक झटके में सब तबाह हो गया। शुरुआती आकलन के मुताबिक बाइडन के एक फैसले की वजह से अफगानिस्तान की 20 लाख से ज्यादा लड़कियों का स्कूल, कॉलेज छूट गया है। तालिबान भले महिलाओं को सत्ता में भागीदारी की बात कर रहा हो लेकिन वह सब दिखावा ही है क्योंकि तालिबानी मानसिकता काबुल की सड़कों पर साफ नजर आ रही है जहां ब्यूटी पार्लरों और दुकानों के बाहर बनी महिलाओं की तस्वीरों पर कालिख पोती जा रही है। मस्जिदों से ऐलान किये जा रहे हैं कि महिलाएं इस्लाम के नियमों का कड़ाई से पालन करें।

चूक करते रहे हैं बाइडन

ऐसा नहीं है कि जो बाइडन से चूक पहली बार हुई हो बल्कि साल 2018 में एक टीवी कार्यक्रम में उन्होंने स्वीकार किया था कि मैं चूक करने वाली मशीन हूँ। अफगानिस्तान से हट कर जरा अमेरिका में कोरोना की स्थिति को ही देख लीजिये। राष्ट्रपति चुनावों के दौरान बाइडन ने कोरोना के हालात को ठीक से नियंत्रित नहीं कर पाने को लेकर तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जमकर निशाना साधा था लेकिन खुद सत्ता में आने के बाद वह भी ज्यादा कुछ नहीं कर पाये बल्कि स्थिति को उन्होंने बिगाड़ दिया। अभी जब विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि मास्क को नहीं हटाना है तब बाइडन ने व्हाइट हाउस में खुद मास्क हटा दिया, जहां टीकाकरण हो चुका है वहां मास्क की अनिवार्यता खत्म कर दी और ऐलान कर दिया कि हम लड़ाई जीत गये हैं। टीकाकरण की गति जरूर तेजी से आगे बढ़ी लेकिन आज भी कोरोना के हालात अमेरिका में विकट हैं और रोजाना सवा लाख से ज्यादा संक्रमण के नये मामले सामने आ रहे हैं।

अफगान में भ्रष्टाचार पर भी आंखें मूंदे रहे बाइडन

अफगानिस्तान पर ही लौटें तो अमेरिका किस कदर वहां विफल रहा जरा इसकी बानगी देखिये। अमेरिका की ओर से अफगानिस्तान को करोड़ों डॉलर की मदद दी जा रही थी लेकिन इस मदद का कहां इस्तेमाल हो रहा है इस पर कोई निगरानी नहीं थी। नतीजतन अफगान सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई थी। आज जब यह बात सामने आ रही है कि अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी चार गाड़ियों में कैश भरकर भागे हैं तो साबित हो जाता है कि वहां सरकार किस तरह चलाई जा रही थी। अफगान सरकार और कमांडर कागजों में हेरफेर कर अपनी सेना की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे थे और अमेरिका से पैसे ऐंठ रहे थे। इसीलिए जब युद्ध की नौबत आई तो कई इलाकों में सेना ही नहीं थी तो लड़ता कौन? इस तरह तालिबान ने सप्ताह भर के अंदर ही पूरे देश पर कब्जा कर लिया और अमेरिका देखता रह गया। कहने को भले अमेरिका ने तीन लाख अफगान सैनिकों को प्रशिक्षित किया लेकिन सैनिकों की यह संख्या वास्तव में इससे बहुत कम थी। बहरहाल, अफगानिस्तान के इतिहास के सबसे लंबे युद्ध में इस विफलता का बोझ अमेरिका तो ढोयेगा ही साथ ही दक्षिण, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका का हर कोना किसी न किसी तरह से प्रभावित होगा। अमेरिका की इस करारी हार में उसके नाटो सहयोगी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भी बराबर के साझेदार हैं। हमें यह भी याद रखना होगा कि अमेरिका की विफलता ऐसे समय सामने आई है जब रूस और चीन वैश्विक राजनीति में प्रभाव जमाने के प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही अमेरिका जिसकी इराक और सीरिया में अब भी सैन्य उपस्थिति है, उसके लिए अब वहां भी मुश्किलें पैदा हो सकती हैं।

कॉमन रूमः चंपारण ने दिखाया, कैसे आत्मनिर्भर बनेगा भारत

मृत्युंजय राय

पश्चिम चंपारण में पिछले साल लॉकडाउन लगने के बाद एक लाख से अधिक मजदूर लौटे। इनका भविष्य अनिश्चित था। यह भी पता नहीं था कि वे कब काम पर लौट पाएंगे? अगर लौटे भी तो पुरानी कंपनी उन्हें काम पर रखेगी या नहीं? जिला प्रशासन भी इस मानवीय आपदा से निपटने का रास्ता तलाश रहा था। बिहार में यूं भी शहरीकरण और औद्योगीकरण बहुत कम हुआ है, इसलिए यहां बेरोजगारी दर काफी ज्यादा है। जिला प्रशासन को पता था कि जो मजदूर लौटे हैं, उनमें से कई हुनरमंद हैं। बाहर से आने वाले मजदूरों को तब क्वारंटीन करने के बाद गांव जाने दिया जा रहा था। सरकारी अधिकारियों ने क्वारंटीन पीरियड के दौरान पता लगाया कि इन मजदूरों के पास कौन-सी स्किल है। इस तरह से धीरे-धीरे 80 हजार वर्कर्स का डेटाबेस तैयार हुआ। इन मजदूरों में जीन्स बनाने, यार्न चुनने से लेकर कपड़े की कटाई करने और बाजार में माल बेचने वाले लोग शामिल थे। मजदूरों से कहा गया कि वे अपनी कंपनी में बात करें, पूछें कि क्या वे लोग कुछ काम पश्चिम चंपारण शिफ्ट करना चाहेंगे? कंपनियों ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद जिला प्रशासन ने उनसे खुद प्रॉडक्शन शुरू करने की अपील की। इसमें पहली दिक्कत जमीन की आई। शहरों से लौटे मजदूरों के पास इसके लिए पैसा नहीं था। ऐसे में बिहार सरकार ने उन्हें जमीन दिलाने की पहल की। पश्चिम चंपारण के जिला मुख्यालय बेतिया से 17 किलोमीटर दूर चनपटिया में बिहार सरकार ने इन मजदूरों को कंपनी खोलने के लिए जमीन दी, लेकिन कंपनी शुरू करने के लिए दूसरे संसाधनों की भी जरूरत थी।मजदूरों के पास मशीनें और कच्चा माल खरीदने के लिए पैसे नहीं थे और बिहार के बैंक उन्हें कर्ज देने में आनाकानी कर रहे थे। आपको यह जानकर ताज्जुब होगा कि देशभर में बैंकों को जो डिपॉजिट मिलता है, वे उसमें से 72 फीसदी हिस्सा कर्ज के रूप में बांटते हैं, लेकिन बिहार में वे उसमें से सिर्फ 38 फीसदी कर्ज के रूप में देते हैं। इस मुश्किल को दूर करने के लिए डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट कुंदन कुमार आगे आए। उन्होंने बैंकों से बात करके मजदूरों को पूंजी दिलाई। आज इन स्टार्टअप्स को करीब 6.5 करोड़ का कर्ज बैंकों से मिल चुका है। इस रकम से उन्होंने पावरलूम, कंप्यूटराइज्ड एंब्रॉयडरी मशीन, जींस की कटाई करने के लिए लेजर और पुराने प्रॉडक्शन सेंटर से दूसरी मशीनें खरीदीं। कुछ मशीनें दूसरे देशों से भी मंगवाई। इसके बाद चंपारण में सूक्ष्म और लघु उद्योग का यह सपना एक शक्ल लेने लगा। वर्कर्स ने छोटी यूनिटें खोलनी शुरू कीं और धंधा जमने लगा। चनपटिया में आज 50 के करीब स्टार्टअप्स हैं, जिनमें 700 से अधिक लोग काम कर रहे हैं। ये जैकेट, ट्रैकसूट, शर्ट, साड़ी, दुपट्टा, सैनिटरी नैपकिन जैसे प्रॉडक्ट्स तैयार कर रहे हैं। ये कंपनियां अब तक देश-विदेश में साढ़े दस करोड़ का माल बेच चुकी हैं। पश्चिम चंपारण के दूसरे इलाकों में 50 और स्टार्टअप्स हैं। इनमें से एक कंपनी तो क्रिकेट बैट भी बना रही है। प्रधानमंत्री आपदा में अवसर की जो बात कहते हैं, उसके लिए इससे अच्छी मिसाल भला क्या होगी! लेकिन 'चनपटिया मॉडल' सिर्फ इतना ही नहीं है, इसमें आत्मनिर्भर भारत की भी झलक दिखती है। यह बिहार के साथ औद्योगिक तौर पर पिछड़े दूसरे राज्यों के लिए भी एक मिसाल है। अगर इस मॉडल को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो इससे ग्रासरूट लेवल पर उद्यमिता बढ़ेगी। सरकार जमीन दे और मजदूर पास के क्षेत्रों से आएं तो इनकी उत्पादन लागत भी कम रहेगी। इससे विदेशी बाजारों में कीमतों के मामले में प्रतिस्पर्धा करने में भी देश को मदद मिलेगी और बेरोजगारी भी कम होगी। चीन ने कमोबेश इसी मॉडल के साथ दुनिया की फैक्ट्री बनने की शुरुआत की थी। निर्यात आधारित उसके इसी मॉडल को वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देश अपनाकर विकास की एक नई कहानी लिख रहे है। भारत को इस मॉडल को पहले ट्रायल के रूप में देश के पिछड़े इलाकों में आजमाना चाहिए। अगर यह प्रयोग सफल होता है तो इसे तेजी से देश में व्यापक स्तर पर अपनाया जा सकता है। 'चनपटिया मॉडल' असल में आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार कर सकता है।

अमेरिका ने अपना पिंड छुड़ाया

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने राष्ट्र के नाम जो संदेश दिया, उसका मुख्य उद्देश्य दुनिया को यह बताना था कि उन्होंने अफगानिस्तान से निकलना क्यों जरुरी समझा। उन्होंने अमेरिका की इस फौजी निकासी का मूल निणय करनेवाले डोनाल्ड ट्रंप को कोई श्रेय नहीं दिया। उन्होंने इस भयंकर तथ्य की भी कोई जिम्मेदारी नहीं ली कि वे अफगानिस्तान को राम भरोसे छोड़कर क्यों भाग खड़े हुए ? जैसे 1975 में अमेरिका दक्षिण वियतनाम को उत्तर वियतनाम के भरोसे छोड़कर भाग आया था, वैसे ही उसने अफगानिस्तान को तालिबान के भरोसे छोड़ दिया। वैसे अमेरिका ने ही मुजाहिदीन और तालिबान को पिछले 40 साल में खड़ा किया था। ज्यों ही काबुल में बबरक कारमल की सरकार बनी, रूसियों को टक्कर देने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान को उकसाया और पाकिस्तान ने अफगान बागियों को शरण दी। पाकिस्तान के जरिए अमेरिका ने पेशावर, मिरान्शाह और क्वेटा में टिके पहले मुजाहिदीन और फिर तालिबान को हथियार और डॉलर दिए। ये तथ्य मुझे 1983 में इन नेताओं ने पेशावर में खुद बताए थे। आतंक फैलाने का प्रशिक्षण भी दिया। लेकिन इन्हीं तालिबान ने जब अल-क़ायदा से हाथ मिलाया और उसने अमेरिका पर हमला कर दिया तो अमेरिका ने काबुल से तालिबान को उखाड़ने के लिए अपनी और नाटो की फौजें भेज दीं।अब 20 साल बाद अपने लगभग ढाई हजार सैनिकों की जान गंवाने और खरबों डॉलर बर्बाद करने के बाद उन्हीं तालिबान के साथ उसने वाशिंगटन, पेशावर, काबुल, दोहा आदि में बात शुरु कर दी। इस बात का लक्ष्य सिर्फ एक था। किसी तरह अफगानिस्तान से अपना पिंड छुड़ाना। उसकी बला से कि उसके पीछे कुछ भी होता रहे। अब यही हो रहा है। तालिबान को पहले भी अमेरिका लाया था और अब भी वही लाया है। अगर बाइडन प्रशासन और तालिबान में पहले से सांठगांठ नहीं होती तो क्या अमेरिकी वापसी इतनी शांतिपूर्ण ढंग से हो सकती थी? अभी तक किसी भी अमेरिकी पर या अमेरिकी दूतावास पर कोई हमला नहीं हुआ है। कई दूतावास बंद हो गए हैं लेकिन क्या वजह है कि अमेरिकी दूतावास काबुल हवाई अड्डे पर खुल गया है? कोई तो वजह है, जिसके चलते 5-6 हजार अमेरिकी सैनिक काबुल पहुंच गए हैं और उन पर एक भी गोली तक नहीं चली है?क्या वजह है कि राष्ट्रपति गनी ओमान होते हुए अमेरिका पहुंच रहे हैं ? क्या वजह है कि राष्ट्रपति बाइडन ने अपने संबोधन में तालिबान की ज़रा भी भर्त्सना नहीं की है। उल्टे, वे इस बात का श्रेय ले रहे हैं कि उन्होंने अमेरिकी फौजियों की जानें और अमेरिकी डॉलर बचा लिये हैं। बाइडन प्रशासन ने बड़ी चतुराई से गनी सरकार और तालिबान, दोनों को साधकर अपना मतलब सिद्ध किया है।**-डॉ. वेदप्रताप वैदिक**

सीएम नवीन पटनायक का ऐलान, अगले 10 सालों तक भारतीय हॉकी टीमों का प्रायोजक बना रहेगा ओडिशा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा सरकार अगले 10 वर्षों तक भारतीय हॉकी टीमों की प्रायोजक बनी रहेगी। राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंगलवार को यह घोषणा की। पटनायक ने भुवनेश्वर में भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों के सम्मान समारोह के दौरान यह घोषणा की। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हाल में समाप्त हुए टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पिछले 41 साल से चला आ रहा मेडल जीतने का इंतजार समाप्त किया था जबकि महिला टीम चौथे स्थान पर रही थी जो उसका इन खेलों में बेस्ट प्रदर्शन है। पटनायक ने प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार सौंपने के बाद कहा, हमारी टीमों ने टोक्यो ओलंपिक में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से इतिहास रचा। पटनायक ने दोनों टीमों के सहयोगी स्टाफ के लिए भी पांच-पांच लाख रुपये के पुरस्कार की घोषणा की। ओडिशा सरकार 2018 से राष्ट्रीय हॉकी टीमों को प्रायोजित कर रही है। पटनायक ने कहा कि ओडिशा सरकार टीमों की उपलब्धियों और विश्व की शीर्ष टीमों में शामिल होने की क्षमता को देखते हुए अगले 10 वर्ष तक दोनों टीमों को अपना समर्थन जारी रखेगी।

उन्होंने कहा, ओडिशा में हम इस बात से उत्साहित हैं कि हॉकी इंडिया के साथ हमारी भागीदारी से देश ने यह शानदार उपलब्धि हासिल की है। मेरा मानना है कि ओडिशा और हॉकी एक दूसरे के पर्याय बनने के लिए ही बने हैं। हम हॉकी इंडिया से अपनी भागीदारी जारी रखेंगे। ओडिसा अगले 10 वर्षों तक भारतीय हॉकी टीमों का सहयोग करता रहेगा। इस अवसर पर दोनों टीमों ने खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी मुख्यमंत्री को भेंट की। पटनायक ने कहा, आपने टोक्यो में अपने शानदार प्रदर्शन से हमारा सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। भारतीय हॉकी के पुनरुद्धार का गवाह बनने के लिए भारत के लिए यह भावनात्मक पल है।

सस्पेंड हुई विनेश फोगाट को मिला पीएम का साथ, नरेंद्र मोदी ने ऐसे बढ़ाया महिला पहलवान का हौसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक से लौटने के बाद भारत की स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट को अनुशासनहीनता के लिए अस्थाई रूप से सस्पेंड कर दिया गया है। विनेश ने इसके बाद रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) से माफी मांग ली है, लेकिन अभी उनका सस्पेंशन वापस नहीं लिया गया है। विनेश को इस पूरे विवाद के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपोर्ट मिला है। पीएम ने टोक्यो ओलंपिक में अब तक का अपना बेस्ट प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड सात मेडल जीतकर स्वदेश लौटे भारतीय एथलीटों के साथ ब्रेकफास्ट पर मुलाकात की। इस दौरान मोदी ने सभी खिलाड़ियों से बात की और खेलों को लेकर उनसे चर्चा भी की। 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान मोदी ने गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, महिला पहलवान विनेश फोगाट और अन्य खिलाड़ियों से बातचीत की। मोदी ने खिलाड़ियों के साथ हुई मुलाकात का वीडियो भी अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है। इस दौरान पीएम ने विनेश फोगाट से पूछा, और विनेश...यह तो मेरे ही परिवार की है... क्या बेटे बहुत गुस्सा आ गया था। इतना गुस्सा नहीं करते। आप बहुत अच्छा खेली हैं और पूरे परिवार ने अब तक बहुत अच्छा किया है। विनेश निराश नहीं हो सकती। मैंने सुना है कि टोक्यो से आने के बाद भी तुम किसी को मिलती नहीं थी। ये तरीका सही नहीं है। विनेश भी पीएम के साथ बातचीत करते हुए कहा, सर इतनी मेहनत के बाद भी मेडल नहीं आता है, तो दुख होता है। इस पर प्रधानमंत्री ने विनेश का हौसला बढ़ाते हुए कहा, खिलाड़ी की जिंदगी में हारना तो बाएं हाथ का खेल होता है। यह तो खेल का हिस्सा है। जीत को कभी सिर पर चढ़ने मत दो, और हार को मन में बसने न दो। यह मंत्र जीवन में बहुत जरूरी है। मोदी ने कहा कि किसी भी महासंघ को एथलीटों के साथ इस तरह का बर्ताव नहीं करना चाहिए था और उन्हें अपने एथलीटों को सपोर्ट करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा ये वे एथलीट हैं, जो 130 करोड़ लोगों में से निकल कर सामने आए हैं। आप सब यहां तक पहुंचकर दूसरों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने हैं। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अपना एक अलग ही महत्व है। देश को आपकी भागीदारी पर गर्व है और वे आपसे बहुत खुश हैं। अगर आप सब जीतते हैं तो देश और ज्यादा खुशियां मनाता है। हमें खिलाड़ी और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना चाहिए।

जूनियर वर्ल्ड कुश्तीः सिमरन-बिपाशा सेमीफाइनल में, यश ब्रॉन्ज मेडल की रेस में

उफा (रूस) (एजेंसी)। भारत की युवा पहलवान सिमरन ने जूनियर वर्ल्ड चैम्पियनशिप में महिलाओं के 50 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि बिपाशा (76 किलो) भी अंतिम चार में पहुंच गई। सिमरन ने रोमानिया की जॉजिन्याना लाविनिया एंटुका को तकनीकी कौशल के आधार पर हराया। इसके बाद अजरबैजान की गुलताकिन शिरिनोवा को क्वार्टर फाइनल में चित कर दिया। बिपाशा ने कजाखस्तान की दिलनाज मुल्किनोवा को 6-3 से मात दी। सीतो (55 किलो), कुसुम (59 किलो) और आरजू (68 किलो) को हालांकि क्वार्टर फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा। इस बीच पुरुषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में यश (74 किलो) ने आर्मेनिया के अर्मेन मुसिकयां को 9-2 से मात देकर ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में जगह बनाई।

ब्रेकफास्ट पर खिलड़ियों से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से भारतीय खिलाड़ियों के टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन की जमकर सराहना की। इसके अगले ही दिन पीएम मोदी ने अपने आवास पर ब्रेकफास्ट के दौरान खिलाड़ियों साथ मुलाकात की। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में अब तक का अपना बेस्ट प्रदर्शन किया है। भारतीय एथलीटों ने हाल में जापान की राजधानी टोक्यो में हुए ओलंपिक में रिकॉर्ड सात मेडल जीते हैं। 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान मोदी ने गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, महिला पहलवान विनेश फोगाट और अन्य खिलाड़ियों से बातचीत की। मोदी ने खिलाड़ियों के साथ हुई मुलाकात का वीडियो भी अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है। पीएम और खिलाड़ियों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। लेकिन इस बातचीत में पांच ऐसी खास बातें काफी महत्वपूर्ण रहीं, जोकि मोदी ने

खिलाड़ियों से की। पीएम ने खिलाड़ियों से कहा, खेल और खिलाड़ियों के प्रति प्रेम जगजाहिर है। हमें खिलाड़ियों और उनकी उपलब्धियों का अधिक सम्मान करना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि खेल ही एक राष्ट्र को ऊपर उठा सकता है। 2016 में ही उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की दिशा में काफी काम किया। अब नतीजा सबके सामने है। एलीट एथलीटों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना और उन्हें यह बताना है कि वे कमाल हैं, चाहे वे मेडल जीते या नहीं। हमें उनकी कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण की हर कीमत पर सराहना करनी चाहिए।

मोदी ने साथ ही स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट को भी काफी सपोर्ट किया और उनका हौसला बढ़ाया। टोक्यो ओलंपिक से लौटने के बाद फोगाट को अनुशासनहीनता के लिए अस्थाई रूप से सस्पेंड कर दिया गया था। विनेश ने इसके बाद रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) से माफी मांग ली थी, लेकिन अभी उनका सस्पेंशन वापस नहीं लिया गया है। विनेश को इस पूरे विवाद के बाद पीएम मोदी का सपोर्ट मिला है।

उन्होंने साथ ही बजरंग के घुटने, लवलीना बोरगोहेन की मां, मेंस हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश का जीत के बाद गोलपोस्ट के ऊपर बैठना, नीरज का अपने दूसरे थ्रो के बाद जश्न मनाना, कुश्ती में दहिया द्वारा सेमीफाइनल में आखिरी मिनट की चाल और फिर फाइनल में पहुंचने, सेमीफाइनल में हार के बाद महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल द्वारा अपने साथियों को दिलासा देने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि ये ऐसी चीजें हैं जो केवल एक समझदार खेल प्रेमी ही नोटिस करता है।प्रधानमंत्री ने आगे कहा, ये वे एथलीट हैं, जो 130 करोड़ लोगों में से निकल कर सामने आए हैं। आप सब यहां तक पहुंचकर दूसरों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने हैं। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अपना एक अलग ही महत्व है। देश को आपकी भागीदारी पर गर्व है और वे आपसे बहुत खुश हैं। अगर आप सब जीतते हैं तो देश और ज्यादा खुशियां मनाता है। हमें खिलाड़ी और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना चाहिए। मोदी ने साथ ही सभी एथलीटों से कहा कि वे अगले दो साल तक करीब 75 स्कूलों का दौरा करें और वहां स्कूल के बच्चे से न्यूट्रिशन, डाइट और सामान्य विकास के लिए इसके महत्व के बारे में बात करें। उन्होंने एथलीटों से कहा कि वे करीब 10 मिनट तक स्कूल के बच्चों के साथ कोई भी खेल खेलें।

लड़कियों को लेकर ताऊ ने दिया विवादित बयान, बबीता फोगाट ने ऐसे कर दी बोलती बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ खेलों में देश के लिए गोल्ड और सिल्वर मेडल जीत चुकी स्टार महिला पहलवान बबीता फोगाट इस समय राजनीति में सक्रिय है। बबीता सोशल मुद्दों पर अक्सर अपनी राय देती रहती है। उन्होंने हाल ही में तालिबान और अफगानिस्तान के मुद्दे पर भी अपनी राय रखी थी, जिसको लेकर उन्हें काफी ट्रोल किया गया था। बबीता ने अब इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे एक बुजुर्ग व्यक्ति के लड़कियों के प्रति घिसी-पिटी सोच पर अपनी राय देती दिख रही है। लोग उनके इस जवाब से काफी खुश है और उनकी जमकर तारीफ कर रहे है। इस वीडियो की शुरुआत बुजुर्ग व्यक्ति के बयान से होती है, जिसमें वह कहता है कि, छोरी एक बार जो घर से निकली तो वह निकली हाथ से, घर की इज्जत घर ही रखो, ताऊ की यह बात सै।

विराट कोहली/सचिन तेंदुलकरः 13 साल पूरे होने पर वनडे में कौन किस पर पड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18 अगस्त का दिन भारतीय कप्तान विराट कोहली के लिए बेहद खास है, क्योंकि 13 साल पहले आज ही के दिन उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 18 अगस्त 2018 को विराट कोहली ने 19 साल की उम्र में श्रीलंका के खिलाफ दाम्बुला में अपना पहला वनडे मैच खेला था। इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने से पहले विराट ने अपनी कप्तानी में टीम को अंडर-19 का खिताब भी जिताया था। विराट ने डेब्यू करने के बाद अपने खेल के दम पर कुछ ही सालों में टीम में जगह पक्की कर ली। इसके बाद उनके शानदार खेल की वजह से उनकी तुलना महान सचिन तेंदुलकर से की जाने लगी। अब भी जब सचिन के इंटरनेशनल क्रिकेट में बनाए 100 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने की बात की जाती है तो यहां सबसे पहले नाम विराट का ही आता है। आइए पता करते हैं कि

इंटरनेशनल क्रिकेट में 13 साल पूरे होने के बाद वनडे में दोनों खिलाड़ियों में से किसके आंकड़े ज्यादा अच्छे हैं।13 साल कम्पलीट करने के बाद सचिन ने कुल 291 मैच खेले थे, जिसमें 44.22 की शानदार औसत और 86.55 की स्ट्राइक रेट से 11,544 रन बनाए। इसमें 33 शतक और 56 अर्धशतक शामिल रहे। इस दौरान सचिन का बेस्ट स्कोर नॉटआउट 186 रनों का रहा। वहीं विराट के आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए तो उन्होंने इस पीरियड में 245 मैच खेले हैं, जिसमें 59.07 की बेहतरीन औसत और 93.17 की शानदार स्ट्राइक रेट से 12,169 रन बटोरे हैं। इसमें 43 सेंचुरी और 62 फिफ्टी शामिल हैं। विराट के बल्ले से इस दौरान सबसे बड़ी पारी 186 रनों की निकली है।बात कर लें इंटरनेशनल क्रिकेट के सबसे बड़े रिकॉर्ड यानी 100 शतकों की तो सचिन इस मामले में विराट से अभी काफी आगे हैं। विराट ने इन 13 सालों में 70 शतक लगाए हैं और उन्हें सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए 31 शतकों की जरूरत है। विराट अभी लगभग 33 साल के हैं और अगर ऐसा माना जाए कि विराट 40 साल तक खेलते हैं तो उन्हें सचिन का यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए हर साल लगभग 5 शतक लगाने पड़ेंगे। ऐसा संभव है, क्योंकि विराट अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग रहते हैं। यहां उनके साथ समस्या यह है कि वे लगभग पिछले दो सालों से इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक नहीं पाए हैं। उन्होंने आखिरी शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ ईडन गार्डन्स में जड़ा था।

बच्चे की सर्जरी के लिए टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मारिया आंद्रेजिक ने नीलाम किया अपना मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोलैंड की महिला भाला फेंक एथलीट मारिया आंद्रेजिक ने आठ महीने के एक बच्चे के दिल की सर्जरी के लिए अपना सिल्वर मेडल नीलाम कर दिया है। मारिया यह मेडल हाल ही में जापान की राजधानी टोक्यो ओलंपिक में खेलों में जीती थी। उन्होंने मेडल की नीलामी से ढाई करोड़ रुपये से ज्यादा (250,000 पाउंड) की राशि हासिल की है, जबकि बच्चे की सर्जरी के लिए करीब दो करोड़ 86 लाख रुपये (280,000 पाउंड) की जरूरत है। मारिया 2016 के रियो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहीं थी। इसके बाद वह बोन कैंसर से जूझ रही थी। 2018 में उन्होंने बोन कैंसर को मात देने के बाद फिर इसे ट्रैक पर वापसी की थी। 25 साल की मारिया टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने के बाद एक अजनबी की मदद करना चाहती थी और उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि यह पहला फंडराइज़र था। वह जिसके लिए फंड इकट्ठा करना चाहती थी, उसका अमेरिका के स्टैनफोर्ड अस्पताल में दिल की सर्जरी होनी है। मारिया ने सोमवार को कंफर्म करते हुए कहा कि पोलैंड की स्टोर जाबका ने मेडल की बोली लगाई है और उसने राशि का भुगतान करके मेडल ले लिया है।

'हम पागल नहीं हैं, हमारा दिमाग खराब है', एसकेवाई के पोस्ट पर पृथ्वी शॉ ने बोला मजेदार डायलॉग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड दौरे पर गए भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और पृथ्वी शॉ का क्वारंटीन पूरा हो गया है और वे 14 अगस्त को ही लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान भारतीय टीम से जुड़ गए थे। दोनों इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें पृथ्वी शॉ मजेदार डायलॉग बोलते हुए नजर आ रहे है। दरअसल ये दोनों खिलाड़ी 'बाजीगर' फिल्म का डायलॉग बोल रहे हैं। वे साथ ही एक दूसरे पर काफी हंस भी रहे

खिलाड़ी तीन अगस्त को ही इंग्लैंड पहुंचे थे। उन्हें चोटिल ओपनर शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर के स्थान पर टीम में बुलाया गया था। हालांकि अब क्वारंटीन पूरा होने के बाद दोनों खिलाड़ी एंटरटेनमेंट करते हुए नजर आ रहे हैं। सूर्यकुमार ने अपने इसके बाद दोनों एक दूसरे को देखकर हंसने लगते हैं। दोनों खिलाड़ी करीब तीन बार ऐसा ही करते हैं।इसके बाद सूर्यकुमार तीसरी बार चुस्की लेते हैं और फिर पीछे मुड़कर शॉ को देखते हैं। लेकिन चौथी बार में पृथ्वी है। इस वीडियो को देखकर अब फैन्स भी अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। वीडियो में सूर्यकुमार कॉफी मग में कुछ पीते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके पीछे पृथ्वी शॉ बेड पर बैठे हुए हैं। सूर्यकुमार मग से एक चुस्की लेते हैं और पीछे घूमकर शॉ को देखते हैं। अपने साथी सूर्या को देखते ही हंसने लगते हैं। हालांकि इस बार सूर्यकुमार चुप रहते हैं। यह देखकर पृथ्वी चुप हो जाते हैं। जैसे ही पृथ्वी चुप दिखाई देते हैं, सूर्यकुमार उनकी तरफ हाथ दिखाकर हंसना शुरू कर देते हैं।

स्मृति मंधाना ने बताया, महिला आईपीएल में टीमें बढ़ाने से क्या फायदा होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिलाओं के आईपीएल की शुरुआत को लेकर अपनी राय दी है। वो मानती हैं कि महिलाओं की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत छह टीमों से करने के लिए देश के क्रिकेट में काफी गहराई मौजूद है जिससे राष्ट्रीय टीम के लिए'बेंच स्ट्रेंथ सुधारने में मदद मिल सकती है। मंधाना ने कहा कि इस टी20 लीग (आईपीएल) के आने के बाद पुरुषों के क्रिकेट में घरेलू खिलाड़ियों के खेल के स्तर में काफी सुधार हुआ है और ऐसा ही महिलाओं के क्रिकेट में भी हो सकता है। रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर इस 25 वर्षीय स्टाइलिश बल्लेबाज ने कहा,'पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए खेलने के लिए एक समान ही राज्य हैं। इसलिए जब पुरूषों का आईपीएल शुरू हुआ तो तब भी इतनी ही संख्या में राज्य थे। लेकिन साल दर साल खिलाड़ियों के खेल का स्तर बढ़ता ही गया। आज जो आईपीएल है, यह 10 या 11 साल पहले भी ऐसा ही था। मुझे लगता है कि महिलाओं के क्रिकेट के लिए भी यह समान ही है। हमारे पास क्रिकेट खेलने वाली उतनी ही खिलाड़ी हैं।'

मंधाना ने आगे कहा, 'अभी मुझे लगता है कि हम पांच या छह टीमों से अच्छी शुरूआत कर सकते है और शायद एक या दो साल में इसे आठ टीमों का कर सकते हैं। लेकिन जब तक हम इसे शुरू नहीं करते तब तक हम जान नही पाएंगे।' उन्हें लगता है कि आईपीएल लीग महिलाओं को सही तरह का एक्सपोजर दे सकती है जो उनके खेल को सुधारने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि पांच-छह टीमों से हम शुरूआत कर सकते हैं। लेकिन आठ टीमों के बारे में मैं निश्चित नहीं हूं कि यह कैसे होगी। लेकिन मुझे लगता है कि हमें पांच या छह टीमों से शुरू करने की जरूरत है ताकि हम जल्द ही आठ टीमों तक पहुंच सकें। मुझे लगता है कि जब तक हम शुरूआत नहीं करते, तब तक हम अपनी खिलाड़ियों को अलग तरह के स्तर तक पहुंचने के लिए एक्सपोजर नहीं दे पाएंगे। मंधाना ने कहा कि महिलाओं की बिग बैश लीग ने ऑस्ट्रेलिया की 'बेंच स्ट्रेंथ में काफी सुधार किया है और ऐसा ही महिलाओं की आईपीएल से भारत में किया जा सकता है। मैं चार साल पहले बिग बैश लीग में खेली थी और अब उनके खेल का स्तर काफी अलग है। आप क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में देख सकते हो, जहां उनकी 40 से 50 खिलाड़ी किसी भी दिन इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं।

ट्रोल को जवाब देने के लिए अजिंक्य रहाणे ने आजमाया एकदम अलग अंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान अंजिक्य रहाणे ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में जीत के बाद फेसबुक पोस्ट के जरिए सोशल मीडिया के ट्रोल्स को करारा जवाब दिया। रहाणे ने फेसबुक पर अपनी मुस्कुराते हुए एक तस्वीर शेयर की। रहाणे ने इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा,' मेरा रिएक्शन जब ट्रोल्स ट्रोल हो जाते हैं। रहाणे को इस साल रन ना बना पाने की वजह से काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि लॉर्ड्स टेस्ट में रहाणे ने भारत की तरफ से दूसरी पारी में 61 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। भारत की दूसरी पारी में केएल राहुल, रोहित शर्मा और विराट कोहली जल्दी आउट हो गए थे। इसके बाद जब टीम मुश्किल में थी तब रहाणे ने महत्वपूर्ण पारी खेली। रहाणे ने पुजारा के साथ मिलकर 102 रनों की पार्टनरशिप की। पुजारा और रहाणे ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड पर भारत की 151 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की तरफ से मोहम्मद शमी ने दूसरी पारी में 56 रन की नाबाद पारी खेली।। वहीं बुमराह ने 33 रन बनाए, जो टेस्ट में उनका सवीच्च स्कोर है। इसके बाद तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाई। भारत की तरफ से दूसरी पारी में मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट लिए। वहीं बुमराह ने 3 विकेट लिए।

पेगासस कांड पर सुप्रीम कोर्ट से बोला केंद्र-हां, हम मॉनिटरिंग करते हैं पर सॉफ्टवेयर का नाम नहीं बता सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को माना कि सरकार आतंकवाद से लड़ने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संदिग्ध संगठनों की मॉनिटरिंग करती है। लेकिन सॉफ्टवेयर का नाम नहीं बता सकते। केंद्र सरकार ने कहा कि मॉनिटरिंग के लिए अनेक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाता है जो जरूरी है। लेकिन याचिकाकर्ता चाहते हैं कि सरकार बताए कि वह किस सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हैं व किसका नहीं। यह बताकर क्या हम उन संगठनों को सतर्क नहीं कर देंगे, जिनकी हम मॉनिटरिंग कर रहे हैं। तकनीक इतनी ज्यादा उनन्त है कि वह यह पता लगते ही कौन सा सॉफ्टवेयर प्रयोग हो रहा है, वे अपनी प्रणालियों को सुरक्षित कर लेंगे और मॉनिटरिंग से बच जाएंगे।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा कि कोई भी देश

यह जानकारी सार्वजनिक नहीं करता कि कौन सा सॉफ्टवेयर प्रयोग में और कौन सा नहीं। मगर उनकी यही एक मांग है कि जानकारी दी जाए, यह प्रार्थना क्यों की गई है, इस बारे में वह नहीं जानते। मेहता ने कहा कि सार्वजनिक रूप से जानकारी नहीं दी जा सकती न ही सवीच्च कोर्ट से यह उम्मीद की जाती है कि वह सरकार से यह जानकारी सार्वजनिक करने के लिए कहे। लेकिन उनके पास कोर्ट से छिपाने को कुछ भी नहीं है, वह हर वह जानकारी विशेषज्ञ कमेटी को देंगे, जो कोर्ट के निर्देशन में काम करेगी। हम हर चीज कमेटी के सामने रखेंगे लेकिन यह सार्वजनिक बहस का विषय नहीं हो सकता।

केंद्र ने कहा कल किसी वेब पोर्टल पर विमर्श होगा कि कुछ सैन्य उपकरण गैरकानूनी उद्देश्यों के लिए प्रयोग किए गए हैं। फिर एक ऐसा व्यक्ति कोर्ट में याचिका दायर करेगा जिसका इससे कुछ लेना-देना नहीं है और कहेगा कि सेना बताए कि कौन सा उपकरण प्रयोग किया गया है कौन सा नहीं। उन्होंने कहा कि यदि मैं सरकार को यह सलाह दूं कि वह शपथपत्र में सॉफ्टवेयर की जानकारी दे तो मैं अपने कर्तव्यों में विफल माना जाऊंगा। मैं नहीं समझता कि देश की सवीच्च अदालत में याचिकाकर्ताओं, जिनकी प्रार्थना जांच कराने की है वह सॉफ्टवेयर का नाम बताने की जिद करें। हम उनकी प्रार्थना का जवाब दे रहे हैं और जांच के लिए तैयार है, कमेटी को जांच करने दें, कमेटी सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट करेगी। इसमें सरकारी सेवक नहीं होंगे बल्कि विशेषज्ञ होंगे। हम क्या प्रयोग कर रहे है क्या नहीं और किस पर क्यों प्रयोग कर रहे हैं सब कमेटी को बताएंगे। तुषार मेहता को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता क्या कह रहे है, हमें उससे कोई मतलब नहीं है। लेकिन आप और हम देश की सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते, रक्षा सेनाओं ने क्या सॉफ्टवेयर प्रयोग किया है हम वह आपसे नहीं पूछेंगे चाहे याचिकाकर्ता कुछ भी मांग करें। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि असल मुद्दा यहां कुछ और है, यहां नागरिक हैं और सिविलियन हैं। इनमें से कुछ लोग प्रतिष्ठित हैं जो अपने फोनों की हैकिंग और मॉनिटरिंग की शिकायत कर रहे हैं। यह सही है कि नियम मॉनिटरिंग की अनुमति देते है, यह उचित प्राधिकार से अनुमति लेकर की जा सकती है। इसमें कुछ गलत नहीं है। क्यों नहीं उचित प्राधिकार शपथ पत्र दायर कर यह जानकारी कोर्ट को देता। उस शपथपत्र में हम एक भी शब्द ऐसा नहीं चाहते जो देश की सुरक्षा से जुड़ा हो। कोर्ट ने कहा कि आप हमसे आश्वासन ले लीजिए कि यह इस कार्यवाही के दायरे से बाहर होगा, हम भी आपकी तरह से इस मामले को बाहर नहीं जाने देना चाहते।

सुनंदा पुष्कर केस में शशि थरूर आरोप मुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर को पतने सुनंदा पुष्कर की मौत के मामले में दिल्ली की एक अदालत ने सभी आरोपों से बरी कर दिया है. पुष्कर की मौत 2014 में हुई थी.बुधवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने थरूर को राहत देते हुए पुष्कर की मौत से जुड़े सभी आरोपों से बरी कर दिया. 51 साल की पुष्कर की लाश दिल्ली के एक होटल में 17 जनवरी 2014 को मिली थी. दिल्ली पुलिस ने थरूर के खिलाफ आईपीसी की धारा 306 (खुदकुशी के लिए उकसाना) और 498 ए (पति या उसके रिश्तेदार द्वारा अत्याचार) के तहत मामला दर्ज किया था. थरूर की तरफ से पेश वकील विकास पाहवा ने बताया कि विशेष जांच दल द्वारा की गई जांच में उनके खिलाफ लगाए आरोपों पर सबूत नहीं मिले और उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है.विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने कहा, ठआरोपी को बरी कर दिया गया हैठ यह आदेश थरूर, थरूर की ओर से मौजूद वकील विकास पाहवा और सरकारी वकील अतुल श्रीवास्तव की मौजूदगी में सुनाया गया. कोर्ट में सुनवाई के दौरान पाहवा ने यह भी तर्क दिया था कि पुलिस जांच पर सालों बिताने के बाद भी सुनंदा पुष्कर की मौत के कारण का पता नहीं लगा सकी. वर्चुअल कोर्ट की कार्यवाही में भाग लेने वाले थरूर ने अदालत को सभी अपराधों से मुक्त करने के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा, ठसाढ़े सात साल हो गए थे और यह एक यातना थी. मैं बहुत आभारी हूंठ सालों तक चली न्यायिक प्रक्रिया इससे पहले 29 अप्रैल, 19 मई और 16 जून को महामारी के कारण न्यायिक कार्य प्रभावित होने के कारण आदेश को टाल दिया गया था. कोर्ट को अभियोजन पक्ष की ओर से लिखित दलीलें दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय देने का आवेदन मिलने के बाद दो जुलाई को आदेश की घोषणा फिर से स्थगित कर दी गई थी। शुरू में दिल्ली पुलिस ने पुष्कर की मौत की एक हत्या के रूप में जांच की. सरकारी वकील श्रीवास्तव ने तर्क दिया था कि उनकी मृत्यु से पहले, पुष्कर के शरीर पर चोटें आई थीं और वे पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दिखी थीं।

वाजपेयी सरकार में भी जारी हुए थे ऑयल बॉन्ड

डॉयचे वेले, नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने तेल की कीमतें कम ना कर पाने के लिए यूपीए सरकार द्वारा जारी ऑयल बॉन्ड को जिम्मेदार बताया है. जानिए क्या होते हैं ऑयल बॉन्ड और आपकी जेब से इनका क्या संबंध है?वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा कि उनकी सरकार पेट्रोल और डीजल के दामों पर इसलिए काबू नहीं कर पा रही है क्योंकि उसके ऊपर यूपीए सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदमों की देनदारी है. सीतारमण बात कर रही थीं 2012 में यूपीए सरकार द्वारा जारी किए गए 1.44 लाख करोड़ रुपये के ऑयल बॉन्ड की. क्या होते हैं आयल बॉन्ड ऑयल बॉन्ड एक तरह का वित्तीय साधन होता जिसके तहत सरकारें तेल वितरण कंपनियों को नकद सब्सिडी देती हैं. यह एक सरकारी प्रतिज्ञापत्र होता है, जिसका इस्तेमाल करके तेल कंपनियां बाजार से पैसे उठा सकती हैं और तेल के दाम घटा सकती हैं. इन प्रतिज्ञापत्रों की जारीकर्ता सरकार होती है जिसकी वजह से इन पर बनने वाला ब्याज भुगतान और इनकी समाप्ति की तारीख के बाद पूरा भुगतान सरकार करती है.इनका इस्तेमाल क्यों किया जाता है मूल रूप से ऑयल बॉन्ड का इस्तेमाल सरकारें बजट में सीधे सब्सिडी देने से बचने के लिए करती हैं. इनका इस्तेमाल कर सरकारों को पेट्रोल, डीजल इत्यादि के दाम कम करने में सहायता मिलती है और वो तात्कालिक रूप से सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ने से भी बचा लेती हैं. खर्च का बोझ असल में कम नहीं होता, बस आगे टल जाता है. कितना बोझ है ऑयल बॉन्ड का 2012 में यूपीए सरकार ने 1.44 लाख करोड़ रुपयों के ऑयल बॉन्ड जारी किए थे।

शर्तों पर अफगानिस्तान में तालिबान राज को मान्यता दे सकता है भारत, आतंकवाद पर भी होगी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के राज को मान्यता देने के मसले पर भारत इस बार देखो और इंतजार करो की रणनीति पर काम कर रहा है। 1996 से 2001 के दौरान तालिबान के राज को मान्यता देने वाले भारत ने इस बार अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ जाने का फैसला लिया है। भारत सरकार के एक सूत्र का कहना है कि तालिबान के नेताओं के रवैये को कुछ दिनों तक देखने और दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों के फैसले के आधार पर कुछ विचार किया जाएगा।

पूरे मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, हम तालिबान को मान्यता देने वाले देशों में आगे नहीं रहेंगे। लेकिन डेमोक्रेटिक ब्लॉक के साथ जाएंगे

और मौजूदा हालात की समीक्षा करते हुए ही कोई फैसला लेंगे। वैश्विक राजनीति की समझ रखने वालों का कहना है कि क्वाड संगठन या फिर अन्य पश्चिमी देशों के फैसले के आधार पर भारत कोई निणच्य ले सकता है। तालिबान को मान्यता देने को लेकर भारत की ओर से आतंकवाद को बढ़ावा न देने और नागरिकों के साथ अच्छा बर्ताव रखने की मांग की जा सकती है। इन शर्तों के आधार पर ही तालिबान के राज को मान्यता देने पर विचार किया जाएगा। फिलहाल तालिबान ने अफगानिस्तान में औपचारिक तौर पर अपने शासन का ऐलान नहीं किया है और न ही किसी तरह की व्यवस्था अभी तैयार हुई है। लेकिन रूस, चीन, तुर्की और ईरान जैसे देशों ने उसका समर्थन करना शुरू कर दिया है। रूस ने तो यहां तक कहा है कि अशरफ गनी की सरकार के मुकाबले काबुल के हालात फिलहाल बेहतर हैं। तालिबान ने काबुल पर कब्जा जमाते ही देश का नाम बदलकर इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान नाम रख दिया है। भारत, अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों की चिंता यही है कि तालिबान का राज आने के बाद अफगानिस्तान में आतंकी संगठनों को संरक्षण न मिले। ब्रिटेन ने भी ऐसी ही चिंता जताते हुए कहा है कि एक बार फिर से अफगानिस्तान में अलकायदा जैसे आतंकी संगठन उभर सकते हैं और पूरी दुनिया में आतंकवाद का खतरा नए सिरे से पैदा हो सकता है।

भारत, अमेरिका समेत कई लोकतांत्रिक देशों ने यह शर्त रखी है कि यदि अफगानिस्तान में नागरिकों से अच्छा बर्ताव होता है और आतंकवाद को बढ़ावा नहीं दिया जाता है तो फिर तालिबान के राज को मान्यता देने पर विचार किया जा सकता है। बता दें कि 20 साल पहले के अपने राज में तालिबान बर्बर सजाओं और क्रूर शासन के लिए कुख्यात था। यही वजह है कि काबुल पर उसका कब्जा होते ही लोग देश छोड़कर भागने लगे हैं। हालांकि तालिबान ने अपनी छवि को सुधारने के संकेत दिए हैं और कहा है कि महिलाओं को भी काम करने की आजादी होगी, लेकिन शरीयत के नियमों का पालन करना होगा।

चिदंबरम बोले- सरकार ने आखिर सुप्रीम कोर्ट में मान लिया कि किया था पेगासस का उपयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने उच्चतम न्यायालय की ओर से कथित पेगासस जासूसी मामले में केंद्र को नोटिस जारी किये जाने की पृष्ठभूमि में बुधवार को दावा किया कि सॉलिसिटर जनरल का सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह कहना पेगासस वेक उपयोग की स्वीकारोक्ति है कि इस स्पाईवेयर के बारे में सरकार के पास सूचना है जिसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। पूर्व गृह मंत्री ने यह सवाल भी किया कि आखिर पेगासस का उपयोग किस मकसद से किया गया? उन्होंने ट्वीट किया, सॉलिसिटर जनरल ने उच्चतम न्यायालय को सूचित कि सरकार के पास सूचना है जिसे हलफनामे के जरिये सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। यह इस बात की स्वीकारोक्ति है कि इस सॉफ्टवेयर-स्पाईवेयर का उपयोग किया गया। यह किसके लिए इस्तेमाल हुआ, हम यह नहीं जानते। चिदंबरम ने कहा, हम यह जरूर जानते हैं कि एक स्पाईवेयर का उपयोग किया गया जिससे पेगासस कहते हैं। इसके इस्तेमाल का मकसद क्या था? अगर सरकार इस सवाल का जवाब दे तो शेष सवालों के जवाब अपने आप मिल जाएंगे। चिदंबरम ने एक अन्य ट्वीट में कहा एनएसओ समूह (इजरायली कंपनी) ने स्वीकार किया और कहा कि पेगासस स्पाईवेयर है, जिसका उपयोग फोन हैक करने में होता है। सरकार इस सवाल का जवाब देने की इच्छुक क्यों नहीं है कि क्या किसी एजेंसी ने पेगासस स्पाईवेयर खरीदा और इसका इस्तेमाल किया? हम इसका सीधा जवाब चाहते हैं। उन्होंने कहा, अगर यह बिंदु आज की सुनवाई में नहीं आया तो फिर आने वाले दिन में निश्चित तौर पर आएगा। उच्चतम न्यायालय को इस सवाल का जवाब सरकार से मांगना चाहिए। मैं आशा करता हूं कि न्यायालय ऐसा करेगा।

तालिबान को लेकर वेट एंड वॉच रणनीति अपनाएगा भारत, कूटनीतिक रिश्तों पर क्या रहेगा स्टैंड?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान में पैदा हुई स्थिति के बाद भारत अभी तत्काल कोई बड़ा कदम उठाने के बजाय इंतजार करेगा। भारत अफगानिस्तान में बनने वाली नई सरकार के स्वरूप और तालिबान के रुख को सतर्कतापूर्वक भांपकर वार्ता या कूटनीतिक रिश्तों पर अपनी रणनीति तय करेगा। इस दौरान अमेरिका सहित यूएन के अन्य देशों से भारत का संपर्क बना रहेगा और कूटनीतिक सामंजस्य बनाने का प्रयास होगा। सूत्रों ने कहा कि अफगानिस्तान की स्थिति बहुत तेजी से बदली है। अभी वहां बहुत चीजें तय होनी है। इसमे भारत के लिए सबसे ज्यादा अहम ये है कि अफगान के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व नए शासन में नजर आता है या नही। साथ ही तालिबान अंतरराष्ट्रीय समुदाय

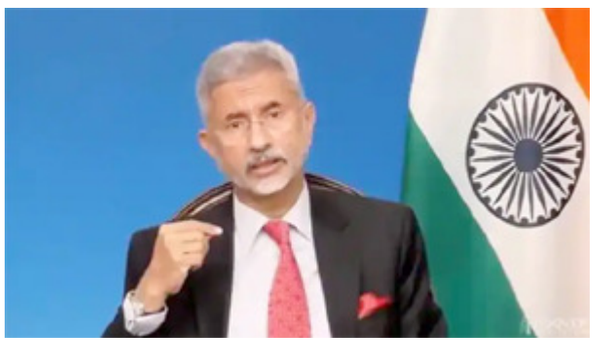

से किये वायदों पर कितना खरा उतरता है ये भी देखना अहम होगा। भारत ने स्पष्ट किया है कि हिंसा और आतंकवाद के लिए अफगानिस्तान की जमीन का उपयोग नही होना चाहिए। अपने सुरक्षा हितों को लेकर भारत काफी संजीदा है। क्योंकि अगर तालिबान शासन में अस्थिरता या आतंक बढ़ता है तो इसका असर कश्मीर पर भी पड़ सकता है। भारत अफगानिस्तान में अपने किये हुए विकास व आधारभूत ढांचे से जुड़े काम की सुरक्षा की गारंटी भी चाहता है।

सूत्रों ने कहा, भारत तालिबान से शीर्ष स्तर पर भले ही संपर्क में न रहा हो लेकिन बीते दिनों में बैकडोर चैनल से बातचीत होती रही है। भारत चाहेगा कि सीधे संपर्क की गुंजाइश बनी रहे। रणनीतिक जानकारों का कहना है कि भारत सरकार तालिबान को भले मान्यता न दे, लेकिन उसे तालिबान से सीधे या बैकडोर चैनलों से बात करनी ही होगी। क्योंकि भारत का बड़ा दांव लगा हुआ है। अगर तालिबान सकारात्मक रुख अपनाता है तो भारत अफगानिस्तान में विरोधी ताकतों को खुला मैदान शायद न देना चाहे। विदेश मंत्रालय ने भी पिछले दिनों कहा है कि वह अफगानिस्तान को लेकर सभी स्टेकहोल्डर्स - भागीदार पक्षों से बातें कर रहा है। सूत्रो ने कहा कि भारत के लिए फिलहाल जटिल स्थिति है। क्योंकि अफगानिस्तान का भविष्य आने वाले दिनों में क्या होगा अभी तय नही है। इसलिए भारत अपना हर कदम फूंक फूंककर रखेगा।

पत्नी को तलाक दे सकते हैं, बच्चों को नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा है कि पति पतने को तो तलाक दे सकता है लेकिन बच्चों को नहीं. पति को बच्चों की देखभाल करनी होगी.सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक व्यक्ति से कहा कि वह अपनी पतने को तलाक दे सकता है लेकिन अपने बच्चों को तलाक नहीं दे सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने तलाक मांगने पहुंचे व्यक्ति को छह सप्ताह के भीतर बच्चों की देखभाल के लिए चार करोड़ देने को कहा है. शीर्ष अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिले अधिकार का इस्तेमाल किया और दंपति को आपसी रजामंदी के आधार पर तलाक का आदेश पारित किया. पति-पतने 2019 से अलग रह रहे थे. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस डीवाई

चंद्रचूड़ और एमआर शाह की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि समझौते के तहत जो शर्तें तय हुई हैं, वही लागू होंगी. पति की तरफ से पेश वकील ने कोर्ट को कहा कि कोरोना के कारण बिजनेस को नुकसान हुआ है और बच्चों की परवरिश की रकम तुरंत नहीं दी जा सकती. वकील ने कोर्ट से कुछ और समय मांगा. इस पर कोर्ट ने कहा कि पति ने खुद कहा था जिस दिन तलाक को मंजूरी मिलेगी उस दिन वह चार करोड़ रुपये का भुगतान बच्चों की देखभाल के लिए जमा करेंगे। दुनिया के सबसे महंगे तलाक ठबच्चों को तलाक नहीं दे सकतेठ बेंच ने अपने आदेश में कहा, ठआप अपनी पतने को तलाक दे सकते हैं लेकिन बच्चों को तलाक नहीं दे सकते क्योंकि आपने उन्हें जन्म दिया है. आपको उनकी देखभाल करनी होगी. आपको तलाक ले चुकी पतने की देखभाल और नाबालिग बच्चों की परवरिश के लिए राशि का भुगतान करना होगाठ कोर्ट ने अपने आदेश में पति को एक सितंबर 2021 तक एक करोड़ रुपये देने और उसके बाद बाकी के तीन करोड़ रुपये 30 सितंबर 2021 के पहले भुगतान करना का आदेश दिया. कोर्ट ने दंपति की तरफ से शुरू की गई सभी कानूनी प्रक्रियाओं को भी निरस्त कर दिया है।

ट्रंप की तरह जरा मेरा अकाउंट डिलीट करके तो देखो... सबिच्याई राष्ट्रपति ने ट्विटर को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। सबिच्या के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वूसिक ने मंगलवार को ट्विटर को डोनाल्ड ट्रम्प की तरह अपने अकॉउंट को बंद करने की चुनौती दे डाली।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ ऐसा ही हुआ था जब उनके नियंत्रण में कई मीडिया आउटलेट्स को सोशल मीडिया साइट द्वारा राज्य-संबद्ध करार दिया गया था। वूसिक ने कहा, ठमैं उनके (ट्विटर) द्वारा अपना खाता बंद करने का इंतजार नहीं कर सकता, ताकि मैं दुनिया में एक और ट्रम्प बन जाऊं। ट्विटर ने जनवरी में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के खाते को हटा दिया क्योंकि राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद उनके समर्थकों ने6 जनवरी को यूएस कैपिटल पर धावा बोल दिया था।ट्विटर ने राज्य-संबद्ध मीडिया को ठआउटलेट के रूप में परिभाषित किया है जहां राज्य वित्तीय संसाधनों, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष राजनीतिक दबाव, और उत्पादन और वितरण पर नियंत्रण के माध्यम से कंटेंट पर कंट्रोल रखा जाता है।ठ वुसिक ने पूछा ठउन्हें किसके साथ सहयोग करना चाहिए, टाइकून, चोर और अपराधी?ठ। ठयह सबसे सामान्य है कि वे सरकार के साथ सहयोग करते हैं।ठ उन्होंने कहा कि ट्विटर लेबल ठसेंसरशिपठ के अलावा और कुछ नहीं है। पूर्व अल्ट्रानेशनलिस्ट, वूसिक ने 10 साल पहले सत्ता में आने के बाद से सबिच्या के मास मीडिया पर कड़ी पकड़ बना रखी है। स्टेट टीवी सहित सबिच्या के सरकार समर्थक आउटलेट, सबिच्या में बची खुची स्वतंत्र मीडिया को खत्म करने में लगे रहते हैं और दावा करते हैं कि वे भ्रष्ट विपक्षी आंकड़ों या पश्चिमी दूतावासों द्वारा नियंत्रित हैं।

महिलाओं का सम्मान, मीडिया को नसीहत और दुनिया को भरोसाः अफगान पर कब्जे के बाद तालिबान की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या-क्या कहा

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के बाद तालिबान ने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और उसने महिलाओं से लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदायों की चिंताओं पर अपना पक्ष रखा। तालिबान ने मंगलवार को इस्लामी कानून के तहत महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करने का वादा किया और अपना विरोध करने वालों को माफी देने तथा सुरक्षित अफगानिस्तान सुनिश्चित करने की घोषणा की। यह घोषणा विश्व के नेताओं और डरे हुए लोगों को यह दिखाने का प्रयास है कि तालिबान अब बदल गया है। कुछ ही दिनों में पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा करने लेने वाले तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा कि संगठन के लड़ाके किसी से बदला नहीं लेना चाहते और सभी को माफी दे दी गई है। प्रवक्ता मुजाहिद ने मंगलवार को अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। वर्षों तक उसके द्वारा विद्रोहियों की ओर से गुपचुप तरीके से बयान जारी किए जाते रहे हैं। तालिबान के पिछले शासन (1990 के दशक के अंत में) के

दौरान महिलाओं के जीवन और अधिकारों पर कड़ी पाबंदियां देखी गई थीं। ऐसे में तालिबान प्रवक्ता के इस बयान को काफी अहम माना जा रहा है। मुजाहिद ने यह भी कहा कि तालिबान चाहता है कि निजी मीडिया स्वतंत्र रहे, लेकिन उसने इस बात को विशेष तौर पर रेखांकित किया कि पत्रकारों को देश के मूल्यों के खिलाफ काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने वादा किया कि विद्रोही (तालिबान) अफगानिस्तान को सुरक्षित कर लेंगे। साथ ही कहा कि जिन लोगों ने पिछली सरकार या विदेशी सरकारों या बलों के साथ काम किया उनसे वह कोई बदला नहीं लेना चाहते। तालिबान ने कहा कि वे अन्य देशों के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहते हैं।

अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में तालिबानी प्रवक्ता ने कहा हम विश्वास दिलाते हैं कि कोई भी उनके दरवाजे पर यह पूछने नहीं जाएगी कि उन्होंने मदद क्यों की। इससे पहले तालिबान के सांस्कृतिक आयोग के सदस्य इमानुल्लाह समनगनी ने ऐसा ही वादा करते हुए कहा था कि तालिबान बिना विवरण दिए माफी का विस्तार करेगा और सरकार में शामिल होने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करेगा। प्रवक्ता ने इस बात पर भी जोर दिया कि अफगानिस्तान किसी दूसरे देश को निशाना बनाने के लिए अपनी जमीन के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देगा। साल 2020 में अमेरिका के साथ हुए समझौते में तालिबान ने इसका वादा भी किया था। इस समझौते के बाद अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी का रास्ता साफ हो गया था।

अफगान नागरिकों को इस बात का डर है कि तालिबान के आने से देश में बर्बर शासन लौट आएगा, जैसा कि उसके पिछले शासन में देखा गया था। मुजाहिद ने अनेक अफगान लोगों और विदेशी नागरिकों की मुख्य चिंताओं को भी दूर करने की कोशिश की और कहा कि महिलाओं को इस्लामी कानून के तहत अधिकार प्रदान किए जाएंगे। वहीं, तालिबान जबकि यह कह रहा है कि वह अपने दुश्मनों को निशाना नहीं बनाएगा, ऐसी खबरें भी हैं कि लड़ाकों के पास उन लोगों की सूची है जिन्होंने सरकार का सहयोग किया और उन्हें वह ढूंढ रहे हैं। इस बीच, तालिबान के कब्जे के बाद जर्मनी ने अफगानिस्तान को दी जाने वाली विकास सहायता रोक दी है।